www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 279 नई दिल्ली, रविवार , 02 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

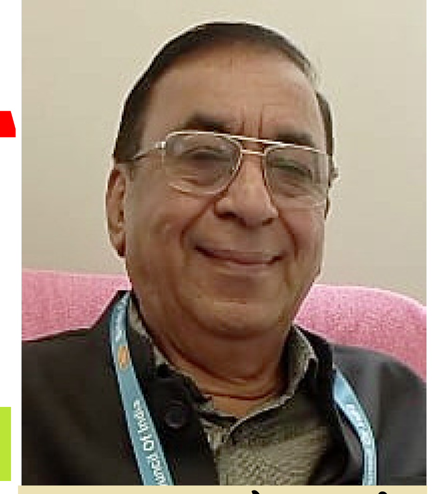

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी में आतंकी साजिश की थी योजना, मुख्यमंत्री शुभेंदु भी थे निशाने पर : बंगाल एसटीएफ

कोलकाता, 01 अगस्त (हि.स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल मामले में शनिवार को कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

एसटीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) गौरव शर्मा ने यहां पत्रकार वार्ता में दावा किया कि हमीम मंडल की योजना नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पुलिस की वर्दी पहनकर बड़ी साजिश को अंजाम देने की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उसके निशाने पर थे। एसटीएफ के अनुसार, 24 वर्षीय हमीम मंडल को शुक्रवार को पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था। उसी रात उसे कोलकाता लाकर पूछताछ शुरू की गई। जांच के दौरान उसके मोबाइल फोन, अन्य डिजिटल उपकरणों और विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर हुई चैट की गहन पड़ताल में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

एसटीएफ का दावा है कि हमीम के पाकिस्तान में बैठे कई हैंडलरों से संपर्क थे। ये लोग मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े शाहजहाद भट्टी गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। इनके बीच व्हाट्सऐप,

टेलीग्राम और अन्य माध्यमों से नियमित संपर्क बना हुआ था।

एसटीएफ आईजी ने दावा किया कि हमीम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। इसके अलावा हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की वर्दी पहनकर हिंसक वारदात को अंजाम देने की भी योजना बनाई गई थी। हावड़ा के एक मंत्री भी संभावित निशानों में शामिल थे।

जांच में यह भी सामने आया है कि हमीम राना, आबिर, हबीब और 333 जैसे कूटनाम वाले संचालकों के संपर्क में था। एसटीएफ के मुताबिक यह नेटवर्क युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने, हथियारों की तस्करी, विध्वंसक गतिविधियों की साजिश रचने और प्रभावशाली लोगों को हनी ट्रैप में फंसाने जैसे मामलों में सक्रिय रहा है। इसी सिलसिले में झारखंड के साहिबगंज से आरोपित की प्रेमिका अर्पिता सरकार को भी शनिवार सुबह गिरफ्तार किया गया है। पिछले चार वर्षों से हमीम और अर्पिता के बीच संपर्क था। दोनों की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी, जिसके बाद उनके बीच संबंध विकसित हुए।

नेपाल में हिंदूवादी संगठनों ने सरकार के सामने रखीं 15 मांगें

दोषियों की गिरफ्तारी से लेकर हिंदू राष्ट्र की बहाली तक की मांग

काठमांडू, 01 अगस्त (हि.स.)। नेपाल के विभिन्न हिंदूवादी संगठनों ने हालिया घटनाओं के बाद सरकार के समक्ष हिन्दू राष्ट्र की मांग सहित 15 सूत्रीय मांगपत्र पेश किया है। इन मांगों में घटना के दोषियों और कथित साजिशकताओं की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच, मृतकों के परिजनों को मुआवजा, घायलों के लिए मुफ्त इलाज तथा मृतकों को शहीद घोषित करने जैसी मांगें शामिल हैं। संगठनों ने मांग की है कि घटना की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और गोली चलाने का आदेश देने वाले अधिकारियों तथा घटना के कथित योजनाकारों की पहचान उजागर की जाए। साथ ही प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा में हुई चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मांगपत्र में देशभर की मस्जिदों, मदरसों तथा मठ-मंदिरों की उच्चस्तरीय जांच और निगरानी करने, उनके वित्तीय स्रोतों की जांच कराने तथा घटना के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारणों की भी जांच कराने की मांग की गई है। हिंदूवादी संगठनों ने नेपाल को बौद्ध

और किरात परंपराओं सहित वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की मांग भी उठाई है।

इसके अलावा मुस्लिम आयोग को भंग करने, मदरसों और अन्य धार्मिक शिक्षण संस्थानों की जांच कर अवैध पाए जाने वाले संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने तथा देशभर की मस्जिदों से लाउडस्पीकर स्थायी रूप से हटाने की मांग भी की गई है।

मांगपत्र में रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से निष्कासित करने, सीमा सुरक्षा कड़ी करने तथा वर्ष 1990 के बाद जारी सभी नेपाली नागरिकताओं की जांच कराने की भी मांग शामिल है।

संगठनों ने गृह मंत्रालय के तहत संचालित हज यात्रा समिति को समाप्त करने, प्रधानमंत्री के सलाहकार एवं संविधान संशोधन संयोजक मो. आसिम शाह को तत्काल पदमुक्त करने तथा धार्मिक आयोजनों में हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी की है। इसके साथ ही सुनसरी के देवानगंज घटना के बाद हुए आंदोलन के दौरान गिरफ्तार लोगों के मामलों की समीक्षा कर उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत रिहा करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से हिंसा, नफरत या उग्रवादी विचार फैलाने वालों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी सरकार के समक्ष रखी गई है।

सार संक्षेप

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर दिल्ली में 192 रुपए सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में एक अगस्त से वाणिज्यिक एपलीजी सिलेंडर 2,930 रुपए की जगह 2,738 रुपए का मिलेगा। इस प्रकार इसमें 192 रुपये की कटौती की गयी है। वहीं, 14 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए पर स्थिर है।

अजीत डोभाल लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से किए गए सम्मानित

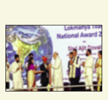

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत डोभाल को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तय तारीख तक 5.9 करोड़ लोगों ने भरा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न भरने का आखिरी तारीख समाप्त हो गई है और इस दौरान 5.9 करोड़ लोगों ने रिटर्न दाखिल किया है। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई थी।

ओडिशा और तेलंगाना में एसआईआर की समय सीमा बढ़ी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने ओडिशा और तेलंगाना की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रमों में संशोधन किया है जिससे अब ओडिशा की नई सूची 21 सितंबर को और तेलंगाना की 19 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी। आयोग ने शनिवार को बताया कि इन दोनों राज्यों के बारे में यह निर्णय वहां

19 अगस्त तक करा सकेंगे दावे और आपत्तियां

के मुख्य चुनाव अधिकारियों के अनुरोध पर लिए गए हैं।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार ओडिशा में इस प्रक्रिया के तहत पांच जुलाई को प्रकाशित नई सूची के मसौदे पर दावे और आपत्तियों के लिए समय बढ़ाकर 19 अगस्त तक कर दिया गया है पहले यह चरण चार अगस्त को पूरा किया जाना था।

इसी तरह वहां प्राप्त दावे और आपत्तियों पर नोटिस जारी करने और उन पर सुनवाई तथा निस्तारण 17 सितंबर तक चलेगा। ओडिशा की अंतिम सूची का प्रकाशन 21 सितंबर को किया जाएगा।

तेलंगाना की सूची 19 अक्टूबर को प्रकाशित होगी

तेलंगाना में मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाता गणना फॉर्म भरवाने की 25 जून से चल रही प्रक्रिया को अब 10 अगस्त तक निपटाया जाएगा। वहां संशोधित मतदाता सूची का मसौदा 17 अगस्त को जारी किया जाएगा और उसी दिन से दावे और आपत्तियों का दौर 16 सितंबर तक चलेगा। तेलंगाना में दावे और आपत्तियों पर नोटिस जारी करने, उन पर सुनवाई और उनके निस्तारण का काम 17 अगस्त से 15 अक्टूबर तक चलेगा और राज्य की नई संशोधित पक्की सूची 19 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी।

आंध्र प्रदेश में बोले प्रधानमंत्री मोदी

निवेश से रोजगार हमारी सरकार का मंत्र

अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का किया उद्घाटन

आंध्र प्रदेश, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भोगापुरम में विकास परियोजाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम है। मुझे आज बहुत शुभ अवसर पर एक शुभ महीने में उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। मैं सबसे पहले भगवान श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं श्री कूर्मनाथ स्वामी और मां पोंडितल्ली को नमन करता हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ-साथ ये परियोजनाएं आंध्र की रोड कनेक्टिविटी से जुड़े हैं। इनमें इनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े प्रोजेक्ट भी हैं।

संतों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

वाराणसी, 01 अगस्त (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को संतों के अपमान किए जाने के मामले में संतों ने मोर्चा खोल दिया। संतों में प्रार्थना पत्र देकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है।वाराणसी के प्रमुख धमार्चार्य और पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास ने कहा कि सांसद पप्पू यादव ने संतों का वेश धारण कर जिस प्रकार की नौटंकी की है, यह अशोभनीय हैं। संतों का अपमान हम सहन नहीं करेंगे। इस कारण से हमने कोतवाली में पप्पू यादव के संत वेश धारण कर नौटंकी करने पर मुकदमा लिखे जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें पप्पू यादव का साथ देने के लिए राहुल गांधी और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को भी बराबर का भागीदार माना जाएगा।

युवाओं से माफी मांगने की बजाय खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस मामले में देश से माफी मांगने की बजाय खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपने विरोधियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों पर अमर्यादित टिप्पणी करते हैं और झूठे आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को एनटीए में हुए पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई, राममंदिर ट्रस्ट से जुड़े विवाद और नोटबंदी जैसे फैसलों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले सुरक्षा सख्त

दिल्ली में आज से छोटे हवाई उपकरणों के उड़ाने पर रोक

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।'

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में कहा, 'मैं स्वतंत्रता दिवस समारोह-2026 के अवसर पर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऊपर पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंगग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, रिमोट से संचालित विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा जंपिंग आदि जैसे गैर-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों की उड़ान पर रोक लगाता हूं।'

यह आदेश अगले 15 दिनों तक रहेगा लागू

दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा, जिसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेल : प्रीति के बाद जैस्मिन ने दिखाया दमखम

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को भारतीय महिला मुक्केबाजों ने महज 30 मिनट में 2 गोल्ड जीते। प्रीति पवार के बाद जैस्मिन लंबोरिया ने 'गोल्डन पंच' लगाए। जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में नॉर्दन आयरलैंड की माइकेला वाल्श को 5-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया।

एफएसएसएआई ने स्विट्ज फूड्स पर की कार्रवाई

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में स्विट्ज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसका फूड बिजनेस लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया है।

फूड सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर लाइसेंस सस्पेंड

प्राधिकरण ने कंपनी को आदेश दिया है कि सभी कमियों को दूर कर खाद्य सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करने तक वह अपनी सभी खाद्य व्यावसायिक गतिविधियां बंद रखे। कंपनी के विनिर्माण संयंत्र के निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं और स्वच्छता संबंधी खामियां सामने आईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

प्रशांत किशोर ने एसएसपी पर चुनाव प्रभावित करने का लगाया आरोप

बांकीपुर उपचुनाव: मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की शिकायत

पटना/(एजेंसी)। बांकीपुर उपचुनाव के बाद भी सियासत नहीं थमी है। जनसुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने पटना के एसएसपी पर गंभीर आरोप लगाए और मुख्य निवार्ची अधिकारी से शिकायत की गई है। उन्होंने कहा कि वह इसकी लड़ाई दिल्ली तक लड़ेंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि पटना के एसएसपी और उनके अधीनस्त पुलिस पदाधिकारियों द्वारा जो पूरे चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए जिस तरह की कार्रवाई की गई है, मतदाताओं को डराया गया है, बिना किसी वजह

लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पटना में उनके कार्यकताओं पर झूठी पुलिस कार्रवाई की गई है, उसके लिए मुख्य चुनाव पदाधिकारी को शिकायत दी गई है और निर्वाचन अधिकारी ने आश्वस्त किया है कि वो तुरंत जांच के आदेश दे रहे हैं और नियमानुसार उन पर कार्रवाई होगी। जनसुराज प्रत्याशी ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो दिल्ली इलेक्शन कमीशन भी जाएंगे और पुलिस अधिकारी की ज्यादती के बारे में शिकायत करेंगे।

बता दें कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान से ठीक एक दिन पहले बुधवार और मतदान के दिन भी प्रशांत किशोर और पुलिस अधिकारियों के बीच काफी नोकझोक देखने को मिली थी।

जन सुराज के कई कार्यकताओं को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के विरोध में प्रशांत किशोर बुधवार देर रात सीधे जक्कनपुर थाना पहुंच गए थे। उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी मौजूद थे। थाने में पुलिस अधिकारियों और प्रशांत किशोर के बीच तीखी नोकझोंक का वीडियो भी वायरल हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

आरएमएल अस्पताल में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से ग्रस्त मरीजों के लिए व्हीलचेयर वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान (एबीवीआईएमएस) एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के शारीरिक आयुर्विज्ञान एवं पुनर्वास विभाग द्वारा सक्षम एक अभियान (गैरसरकारी संस्थान) के सहयोग से शनिवार को स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से ग्रस्त मरीजों के लिए व्हीलचेयर वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से प्रभावित मरीजों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त गतिशीलता सहायक उपकरण (व्हीलचेयर) उपलब्ध कराकर उनकी गतिशीलता, आत्मनिर्भरता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना था। इस अवसर पर निदेशक डॉ. (प्रो.) अखिलेश्वर प्रसाद ने मरीजों के साथ संवाद किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने ऐसे पीयर काउंसलिंग (सहकर्मी परामर्श) सत्रों के नियमित आयोजन पर बल देते हुए कहा कि इससे मरीजों की कार्यात्मक क्षमता में वृद्धि होगी तथा उनके समाज में सफल पुनर्समावेशन को प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए पीयर काउंसलिंग (सहकर्मी परामर्श) सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अनुभवी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा कर अन्य मरीजों का मार्गदर्शन एवं मनोबल बढ़ाया। साथ ही, विशेषज्ञों द्वारा व्हीलचेयर के सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन तथा उचित उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस पहल के माध्यम से स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास, सुगम्यता, आत्मनिर्भरता तथा सामुदायिक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कारों की सिक्योरिटी तोड़कर चुराता था वाहन, गिरफ्तार

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने वाहन चोरी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक वाहन चोर और चोरी की गाड़ियां ठिकाने लगाने वाले एक रिसीवर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों के कब्जे से चार चोरी की कारें बरामद की गई हैं। इनमें दो कारों पर फर्जी नंबर प्लेट लगी मिलीं, जबकि एक कार के चेसिस और इंजन नंबर से भी छेड़छाड़ की गई थी। पुलिस का दावा है कि मुख्य आरोपित इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट और अत्याधुनिक डिवाइस की मदद से कारों की सुरक्षा प्रणाली को चंद मिनटों में बाईपास कर डुप्लीकेट चाबी तैयार करता था और वाहन चोरी कर लेता था। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मेरठ (उप्र) निवासीराशिद उर्फ काला (34) और कैथल (हरियाणा) निवासीविनय (29) के रूप में हुई है। राशिद के खिलाफ दिल्ली में वाहन चोरी के 20 से अधिक मामले दर्ज हैं, जबकि विनय कबाड़ी का काम करता है और चोरी की गाड़ियों को काटकर उनके पुर्जे बेचता था। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई 2026 को सूचना मिली थी कि पश्चिम विहार ईस्ट थाना क्षेत्र से चोरी हुई एक कार हरियाणा के कैथल में छिपाकर रखी गई है। सूचना के बाद इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी के नेतृत्व में एसआई संदीप, एएसआई प्रेमपाल सिंह, हेड कांस्टेबल अनुज, इंदरजीत, अमित और अभिनव की टीम गठित की गई। एसीपी संजय कुमार नागपाल की निगरानी में टीम कैथल पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की। मुखबिर की निशानदेही पर पुलिस ने कैथल में स्थित एक गोदाम से विनय को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर दो कारें बरामद हुईं। इनमें मारुति बलेनो पश्चिम विहार ईस्ट थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी, जबकि टोयोटा इनोवा पर फर्जी नंबर प्लेट लगी मिली। प्रारंभिक जांच में पता चला कि इनोवा का पंजीकरण भी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कराया गया था। इस मामले में आगे जांच जारी है। विनय से पूछताछ के बाद 17 जुलाई को पुलिस ने मेरठ निवासी राशिद उर्फ काला को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर दो और किआ सेल्टोस कारें बरामद हुईं। इनमें एक कार भारत नगर थाना क्षेत्र से अक्टूबर 2025 में चोरी हुई थी, जबकि दूसरी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। जांच के दौरान उसके चेसिस और इंजन नंबर से छेड़छाड़ मिली, जिससे स्पष्ट हुआ कि वाहन की असली पहचान छिपाने की कोशिश की गई थी। पुलिस अब उसके वास्तविक मालिक का पता लगा रही है। पूछताछ में राशिद ने खुलासा किया कि वह कई वर्षों से वाहन चोरी कर रहा है। शुरूआत में उसने इशरार नामक व्यक्ति से कार चोरी के तरीके सीखे। बाद में उसकी मुलाकात मोहसिन से हुई, जो चोरी की गाड़ियां खरीदकर उन्हें अलग-अलग रिसीवरों के माध्यम से ठिकाने लगाता था। राशिद ने बताया कि वह अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट और प्रोग्रामिंग डिवाइस का इस्तेमाल कर कारों की सुरक्षा प्रणाली को बाईपास करता था। इन उपकरणों से वह मौके पर ही डुप्लीकेट चाबी प्रोग्राम कर कार का लॉक खोल देता और कुछ ही मिनटों में वाहन लेकर फरार हो जाता। इसके बाद चोरी की गाड़ियां मोहसिन को सौंप दी जाती थीं, जो उन्हें विनय जैसे रिसीवरों तक पहुंचाता था। वहीं विनय ने पूछताछ में बताया कि वह कबाड़ का कारोबार करता है। इसी दौरान उसकी पहचान मोहसिन से हुई। मोहसिन चोरी की कारें उसके पास भेजता था, जिन्हें वह काटकर उनके स्पेयर पार्ट्स अलग-अलग ग्राहकों को बेच देता था। पुलिस का मानना है कि इस नेटवर्क के जरिए बड़ी संख्या में चोरी की गाड़ियों को ठिकाने लगाया गया है।

फूड कार्ट संचालक पर जानलेवा हमले के मामले में छह माह बाद मुख्य आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। पश्चिमपुरी में फूड कार्ट संचालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित को आखिरकार दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की (एनडीआर) यूनिट ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पिछले करीब छह माह से पुलिस को चकमा दे रहा था और लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। गिरफ्तार आरोपित की पहचान धीरज उर्फ जूड़ी (24) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है और फिलहाल दिल्ली के अमन विहार क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ दिल्ली और एनसीआर में हत्या के प्रयास, लूट, चोरी और आर्म्स एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के मुताबिक, यह गिरफ्तारी पंजाबी बाग थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 41/2026 के तहत दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में की गई है। आरोपित को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(1)(सी) के तहत गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व वाली टीम ने एसीपी उमेश बर्थवाल की निगरानी में की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना की शुरूआत की, पोर्टल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना की आधिकारिक शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली स्थित जिलाधिकारी कार्यालय (डीएम ऑफिस) में आयोजित कार्यक्रम में योजना के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल (www.dly.delhi.gov.in) का शुभारंभ किया।

इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर महिलाओं को बचत, डिजिटल वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जोड़ने वाला देश का एक अभिनव मॉडल बनेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का जो संकल्प लिया था, आज उसे धरातल पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली मंत्रिमंडल द्वारा इस योजना को महिला समृद्धि योजना के नाम से स्वीकृति प्रदान की गई थी, बाद में महिलाओं के सम्मान, समृद्धि एवं आर्थिक सशक्तीकरण की व्यापक भावना को ध्यान में रखते हुए इसका नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक चरण में यह योजना तीन वर्षों के लिए लागू की जाएगी और इससे लगभग 17 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा। योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए आर्थिक बचत भी सुनिश्चित कर सकेंगी।

उन्होंने बताया कि योजना को पारंपरिक नकद सहायता योजनाओं से अलग स्वरूप दिया गया है। लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दो वित्तीय विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। पहले विकल्प में प्रत्येक माह 1,000 रुपये सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी वॉलेट में उपलब्ध होंगे, जिनका उपयोग दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकेगा, जबकि शेष 1,500 रुपये आरडी एवं एफडी में जमा होंगे। दूसरे विकल्प में संपूर्ण 2,500 रुपये प्रतिमाह आरडी एवं एफडी में जमा किए जाएंगे, जिससे समय के साथ ब्याज सहित पर्याप्त बचत तैयार होगी। इस प्रकार योजना महिलाओं को तत्काल आर्थिक सहायता के साथ-साथ दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का उपयोग केवल परिवार की आवश्यक जरूरतों के लिए सुनिश्चित करने के लिए सीबीडीसी वॉलेट में डिजिटल नेगेटिव लिस्ट लागू की जाएगी।

इसके अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थों, लॉटरी टिकट, जुआ, सट्टेबाजी और सरकार द्वारा समय-समय पर प्रतिबंधित अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के लिए नहीं किया जा सकेगा। इससे सरकारी सहायता का उपयोग परिवार के हित में सुनिश्चित होगा।

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली लक्ष्मी योजना पूरी तरह से तकनीक आधारित और डिजिटल व्यवस्था पर संचालित होगी।

इसके लिए लॉन्च किया गया डीएलवाई पोर्टल आवेदन, दस्तावेज वेरीफीकेशन, पात्रता परीक्षण, अनुमोदन, पीएफएमएस एकीकरण, बैंकिंग सेवाएं, सीबीडीसी ट्रांसफर और एसएमएस जैसी सभी सेवाओं को एकीकृत करेगा।

इससे पूरी प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगी। प्रत्येक आवेदन को स्वीकृति से पूर्व चार स्तरों की जांच एवं अनुमोदन प्रक्रिया से गुजरना होगा। सबसे पहले डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट आवेदन की जांच करेगा। इसके पश्चात डिस्ट्रिक्ट विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट ऑफिसर द्वारा सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट लेवल अप्रूवल, मॉनीटरिंग और ग्रीवेंस रिड्रेसल कमिटी आवेदन की समीक्षा एवं अनुमोदन करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना में केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों को ही सहायता मिले, इसके लिए आधार सत्यापन, दिल्ली मतदाता पंजीकरण, वार्षिक आय, परिवार का विवरण, बिजली की खपत, वाहन स्वामित्व, पेंशन, सरकारी सेवा का रिकॉर्ड एवं अन्य निर्धारित मानकों के आधार पर विस्तृत जांच की जाएगी।

किसी भी प्रकार की गलत जानकारी या धोखाधड़ी पाए जाने पर सहायता राशि की वसूली तथा आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत परिवार की सबसे वरिष्ठ पात्र महिला आवेदन कर सकेगी। लाभार्थी की आयु 21 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए, परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये तक होनी चाहिए, आवेदक अथवा उसके माता-पिता एवं पति का कम-से-कम 10 वर्षों से दिल्ली का निवासी होना आवश्यक होगा और लाभार्थी का दिल्ली का पंजीकृत मतदाता होना अनिवार्य होगा। केवल निर्धारित पात्रता मानकों को पूरा करने वाली महिलाओं के आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी संचालन के लिए राज्य स्तर पर स्टेट प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट और दिल्ली के सभी 13 जिलों में डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक जिले में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अप्रूवल, मॉनीटरिंग और ग्रीवेंस रिड्रेसल कमिटी गठित होगी, जो पात्र आवेदनों की स्वीकृति, शिकायतों के निस्तारण तथा योजना के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन, पे एंड अकाउंट्स ऑफिस, बैंकिंग पार्टनर, पीएफएमएस, यूआईडीआई, एनपीसीआई, एवं अन्य तकनीकी संस्थाओं के समन्वित सहयोग से किया जाएगा। योजना की नियमित निगरानी डैशबोर्ड, की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स, एमआईएस, डेटा एनालिटिक्स, फील्ड वेरिफिकेशन, सोशल ऑडिट, थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन एवं इंपैक्ट असेसमेंट के माध्यम से की जाएगी, जिससे पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

जंतर-मंतर पर विहिप का सद्बुद्धि हवन, संत सम्मान और सांस्कृतिक मर्यादा का दिया संदेश

नई दिल्ली, 1 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के इन्द्रप्रस्थ प्रांत के तत्वावधान में शनिवार को जंतर-मंतर पर पूज्य संत-महात्माओं के सान्निध्य में सद्बुद्धि हवन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्ण शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के माध्यम से संत समाज के सम्मान, सांस्कृतिक मर्यादा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं शंकराचार्य श्री श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी महाराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ संत नारायण गिरी महाराज, महामंडलेश्वर महंत नवल किशोर दास महाराज, राहुल भंते, सतीश दास महाराज तथा जैन समाज की साध्वी रेणुका जी सहित अनेक संतों ने हवन में आहुतियां अर्पित कीं।

इस अवसर पर विहिप इन्द्रप्रस्थ प्रांत के अध्यक्ष कपिल खन्ना, प्रांत मंत्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता, दिल्ली संत महामंडल के प्रतिनिधि, विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हवन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए विहिप के प्रांत मंत्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि जंतर-मंतर अनेक ऐतिहासिक जनआंदोलनों का साक्षी रहा है और इसी पावन स्थल पर आयोजित सद्बुद्धि हवन के माध्यम से समाज में मर्यादा, संयम और संतों के प्रति सम्मान की भावना मजबूत करने की प्रार्थना की गई है।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सार्वजनिक जीवन में हुई कुछ घटनाओं से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और संत परंपरा के सम्मान को लेकर चिंता उत्पन्न हुई है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राजनीतिक अभिव्यक्ति के दौरान भारत की प्राचीन संत परंपरा, धार्मिक प्रतीकों और सांस्कृतिक मूल्यों की गरिमा बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का विरोध नहीं, बल्कि समाज में सद्बुद्धि, संवाद, संयम और परस्पर सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि संत समाज का सम्मान, सनातन परंपरा और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने इन्हें सद्बुद्धि दो प्रभु, संतों का सम्मानझसनातन की पहचान, राजनीति से ऊपर संतों का सम्मान और संत समाज का सम्मान, राष्ट्र का सम्मान जैसे संदेश लिखी पट्टिकाओं के साथ शांतिपूर्ण ढंग से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। विश्व हिन्दू परिषद ने कहा कि संगठन भविष्य में भी भारतीय संस्कृति, संत परंपरा और राष्ट्रीय मूल्यों की रक्षा के लिए समाज को जागरूक करने का कार्य करता रहेगा।

एम्स में अंगदान करने वाले 38 परिवारों का सम्मान, निदेशक ने जताया आभार

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ऑर्गन रिट्रीवल बैंकिंग ऑर्गनाइजेशन (ओरबो) ने शनिवार को आयोजित वार्षिक समारोह में अंग एवं ऊतक दान करने वाले 38 परिवारों को सम्मानित किया। सम्मानित परिवारों में अंगदाता, ऊतकदाता (त्वचा, हृदय वाल्व एवं कॉर्निया) तथा देहदान करने वाले परिवार शामिल थे।

इस अवसर पर एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष अंग एवं ऊतक दान अनेक गंभीर मरीजों को नया जीवन प्रदान करता है। समाज में जागरूकता बढ़ाने, भ्रांतियों को दूर करने तथा अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने दानदाता परिवारों के निर्णय को मानवता और करुणा का सर्वोच्च उदाहरण बताते हुए कहा कि व्यक्तिगत दुःख के बीच लिया गया उनका यह निर्णय कई लोगों के लिए नया जीवन लेकर आया है। उन्होंने उन सभी परिवारों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन परिवारों ने जो किया है, उसकी तुलना किसी भी चीज से नहीं की जा सकती। अपने गहरे व्यक्तिगत शोक के बावजूद उन्होंने समाज की सहायता करने और अन्य लोगों का जीवन बचाने का निर्णय लिया। ऐसी परिस्थितियों में वे जिस मानसिक और भावनात्मक स्थिति से गुजरते हैं, उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

ओरबो की प्रभारी प्रो. आरती विज ने बताया कि एम्स में होने वाली प्रत्येक मृत्यु की अनिवार्य सूचना की व्यवस्था लागू की गई है, जिसके बाद संगठन की समन्वय टीम 24 घंटे सक्रिय रहती है। संस्थान रेजिडेंट डॉक्टरों एवं क्रिटिकल केयर नर्सों को अंग एवं ऊतक दान प्रक्रिया का नियमित प्रशिक्षण भी प्रदान करता है तथा सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट संस्थानों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाता है।

उन्होंने बताया कि 14 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक अंगदान जीवन संजीवनी अभियान के अंतर्गत अंगदान जागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्यालयों में प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ प्रस्तुतियां, खेल गतिविधियां, जन-जागरूकता अभियान तथा अंग एवं ऊतक दान संकल्प अभियान आयोजित किए गए।

अब तक 1,356 रेजिडेंट डॉक्टरों तथा 1,463 क्रिटिकल केयर नर्सों को अंग एवं ऊतक दान प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एम्स, नई दिल्ली में हृदय, फेफड़े, किडनी, लिवर, अग्न्याशय, कॉर्निया, हृदय वाल्व, त्वचा और अस्थि प्रत्यारोपण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां राष्ट्रीय नेत्र बैंक, हार्ट वाल्व बैंक, बोन बैंक तथा स्किन बैंक भी संचालित किए जा रहे हैं।

समारोह में उन दानदाता परिवारों की प्रेरक कहानियों को भी साझा किया गया, जिन्होंने अपने प्रियजनों के निधन के बाद अंगदान का निर्णय लेकर कई मरीजों को नया जीवन प्रदान किया। इसके साथ ही उन लोगों को भी सम्मानित किया गया जिनके परिजनों ने अपने जीवनकाल में देहदान का संकल्प लिया था और मृत्यु के बाद उनकी इच्छा के अनुरूप देहदान किया गया। ओरबो ने सभी दानदाता परिवारों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

समारोह में प्रत्यारोपण प्राप्त कर चुके मरीज, प्रत्यारोपण विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने की। इस अवसर पर डीन (अनुसंधान) डॉ. राधिका टंडन तथा अतिरिक्त निदेशक अंशुल मिश्रा (आईएएस) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर 20 करोड़ की कोकीन बरामद, दो नाइजीरियन महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक फैला था नेटवर्क

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट की स्पेशल स्टाफ टीम और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय कोकीन तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए दो नाइजीरियन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों के कब्जे से 2.288 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 करोड़ रुपये आंकी गई है।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक मादक पदार्थों की सप्लाई करता था। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। रेलवे यूनिट के पुलिस उपायुक्त बी भारत रेड्डी ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि यह कार्रवाई नशा मुक्त दिल्ली अभियान के तहत चलाई जा रही विशेष मुहिम के दौरान की गई। पुलिस उपायुक्त का मानना है कि इस कार्रवाई से अंतरराज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट को बड़ा झटका लगा है और बड़ी मात्रा में कोकीन अवैध बाजार तक पहुंचने से पहले ही जब्त कर ली गई ।पुलिस के मुताबिक, 31 जुलाई को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर स्पेशल स्टाफ के हेड कांस्टेबल सुखपाल, कांस्टेबल योगेश और महिला कांस्टेबल पूजा गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सामान लेकर घूम रही दो नाइजीरियन महिलाएं संदिग्ध दिखाई दीं। उनकी गतिविधियों पर शक होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और एनडीपीएस एक्ट के तहत सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान एक महिला के सामान से 11 पैकेट बरामद हुए। जांच में इनमें कोकीन होने की पुष्टि हुई। मौके पर पहुंची एफएसएल और क्राइम टीम ने भी बरामद पदार्थ को कोकीन बताया। इसके बाद हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन थाने में एफआईआर संख्या 51/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(3)/29 में मामला दर्ज कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान चिकान्सो जेम्स (43 वर्ष) और हैप्पीनेस ओकोये (41 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों नाइजीरिया की नागरिक हैं। पुलिस ने दोनों के पासपोर्ट भी जब्त कर लिए हैं ताकि जांच के दौरान उनकी गतिविधियों और भारत में आने-जाने के रिकॉर्ड की पड़ताल की जा सके। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपित चिकान्सो जेम्स ने खुलासा किया कि बरामद कोकीन उसे विकासपुरी इलाके से मिली थी। पुलिस अब उस सप्लायर की पहचान करने में जुटी है, जिसने यह खेप उसे सौंपी थी। इसके साथ ही दिल्ली, मुंबई और अन्य राज्यों में फैले पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन, फाइनेंशियल ट्रेल और अन्य सहयोगियों की भी जांच की जा रही है।

ई-20 पर केजरीवाल भ्रम फैला रहे, आईआईटी की पढ़ाई पर भी उठते हैं सवाल: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 01 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने ई-20 (एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह तकनीकी विषयों पर भ्रामक बयान देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2010 से केजरीवाल स्वयं को आईआईटी से शिक्षित बताते रहे हैं, लेकिन ई-20 सहित कई तकनीकी मुद्दों पर उनके बयान उनकी समझ पर सवाल खड़े करते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि यदि केजरीवाल को लगता है कि ई-20 से वाहनों को नुकसान हो रहा है, तो वह देशभर में चल रही करोड़ों गाड़ियों में से 100 ऐसे वाहन सामने लाकर दिखाएं, जिनके इंजन ई-20 ईंधन के कारण खराब हुए हों। उन्होंने दावा किया कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में लगभग 30 प्रतिशत तक सुधार हुआ है।

भारत हर वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च कर ईंधन आयात करता है और नीति आयोग के अनुसार एथनॉल के बढ़ते उपयोग से पहले ही वर्ष में लगभग एक लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है।

भविष्यफल

मेष- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष- कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन- अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह- स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला- प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक- स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु- नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर- एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ- सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन- धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

जेन जी के बाद अब जेन अल्फा की दस्तक

स्कूल की चौखट से सड़कों तक देशभर में गूंज रही अब अधिकारों की आवाज...

यूपी से बिहार-राजस्थान तक जेन अल्फा की बुलंद होती आवाज- साफ पानी, पंखे, शौचालय और बेहतर स्कूल की मांग

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

जिस उम्र में हाथों में किताबें और कॉपियां होनी चाहिए थीं, उसी उम्र में अब बच्चे अपने अधिकारों की बात करते नजर आ रहे हैं। जेन जी के बाद अब जेन अल्फा की आवाज भी सुनाई देने लगी है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर से लेकर बिहार और राजस्थान तक छात्र अपनी समस्याओं को लेकर खुलकर सामने आ रहे हैं। यह बदलाव सिर्फ छात्र आंदोलन नहीं, बल्कि उस नई पीढ़ी का संकेत है, जो सवाल पूछना जानती है और अपनी जरूरतों को लेकर आवाज उठाने से पीछे नहीं हट रही। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में करीब 1800 छात्र-छात्राएं स्कूल की बुनियादी सुविधाओं को लेकर सडक़ पर उतर आए।

कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि स्कूल में साफ पानी, पर्याप्त पंखे, शौचालयों की सफाई, बैठने की व्यवस्था और अन्य जरूरी सुविधाओं की कमी है। 28 जुलाई को छात्रों ने स्कूल गेट के बाहर धरना दिया। हाथों में मांगों की तख्तियां और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर लिए छात्र अपनी आवाज प्रशासन तक पहुंचाने में जुटे रहे। छात्रों का कहना था कि लंबे समय से शिकायतों के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, इसलिए उन्हें प्रदर्शन का रास्ता चुनना पड़ा।

मांगों पर प्रशासन को देना पड़ा जवाब

प्रदर्शन के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। छात्रों की मांगों में पीने के पानी की व्यवस्था, हर कक्षा में पंखे, शौचालयों की सफाई, पर्याप्त फर्नीचर, मिड-डे मील की गुणवत्ता सुधार, खेल मैदान की सफाई और विज्ञान वर्ग की मान्यता जैसी मांगें शामिल थीं। प्रशासन ने कई मांगों पर तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्कूल में पंखे लगाने, वाटर कूलर लगाने, बेंच की व्यवस्था और अन्य सुधारों का भरोसा दिया गया।

जंतर-मंतर से स्कूल तक पहुंची बदलाव की लहर

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए जेन जी युवाओं के प्रदर्शन ने देशभर में चर्चा पैदा की थी। इसके बाद अलग-अलग राज्यों में छात्र अपनी मांगों को लेकर सक्रिय दिखाई दिए। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन हुआ, जबकि बिहार के गया में छात्र शिक्षा और जनहित के मुद्दों को लेकर सडक़ पर उतरे। हालांकि इन आंदोलनों की प्रकृति अलग-अलग है, लेकिन इनके केंद्र में एक समान सवाल है- छात्रों की आवाज को कितना महत्व दिया जा रहा है?

नई पीढ़ी सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं

लंबे समय तक माना जाता था कि युवा पीढ़ी अपनी नाराजगी सोशल मीडिया तक ही व्यक्त करती है। लेकिन जेन अल्फा के उदाहरण बताते हैं कि स्कूल स्तर के बच्चे भी अब अपनी समस्याओं को लेकर संगठित तरीके से आवाज उठा रहे हैं। फतेहपुर में छात्रों ने दिखाया कि शिक्षा का मतलब केवल किताबें और परीक्षा नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल, सम्मान और जरूरी सुविधाएं भी हैं।

जेन अल्फा क्यों हो रही है मुखर?

जेन अल्फा वह पीढ़ी है, जिसका जन्म लगभग 2010 से 2025 के बीच हुआ है। यह पहली ऐसी पीढ़ी है, जो पूरी तरह डिजिटल माहौल में बड़ी हो रही है। स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनके बचपन का हिस्सा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल दुनिया में पली-बढ़ी यह पीढ़ी जानकारी तक आसानी से पहुंच रखती है। यही कारण है कि स्कूल, शिक्षा और सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर यह पहले की तुलना में ज्यादा जागरूक दिखाई दे रही है। फतेहपुर का प्रदर्शन इसी बदलाव की तस्वीर पेश करता है, जहां छोटे उम्र के छात्रों ने अपनी समस्याओं को पहचानकर सामूहिक आवाज बनाई।

छात्र राजनीति और शिक्षा के मुद्दों का बदलता चेहरा

आज का छात्र केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह बेहतर शिक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और सुविधाओं की मांग कर रहा है। जेन जी ने जहां बड़े सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, वहीं जेन अल्फा की शुरुआती आवाजें स्कूलों और रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी दिखाई दे रही हैं। फतेहपुर जैसे मामले संकेत देते हैं कि आने वाले समय में छात्र आंदोलन का चेहरा बदल सकता है। अब सवाल सिर्फ यह नहीं रहेगा कि बच्चे क्या पढ़ रहे हैं, बल्कि यह भी होगा कि वे किस माहौल में पढ़ रहे हैं और उनकी आवाज कितनी सुनी जा रही है।

ईरान-अमेरिका के बड़े हमले की धमकियों के बीच पश्चिम एशिया में बड़ा तनाव

ट्रम्प की दो टूक, ऐसा हमला करेंगे कि ईरान हार मानने को मजबूर हो जाएगा

यूएस-इजराइल की ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर अब तक की सबसे बड़ी बमबारी करने की तैयारी

● वॉशिंगटन / (हि.स.)

पश्चिम एशिया में बीते पांच महीनों से जारी भीषण संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। ऐसे में अब दोनों तरफ से भीषण हमले जारी है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी सेना को ईरान पर बड़े हमले करने की मंजूरी दी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल मिलकर इस सप्ताह के अंत यानी शनिवार-रविवार में ही ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर अब तक की सबसे बड़ी बमबारी कर सकते हैं। इस मामले मे ट्रम्प ने दो टूक अंदाज में कहा कि अमेरिका ईरान पर इतना जोरदार हमला करेगा कि आखिरकार ईरान हार मानने पर मजबूर हो जाएगा।

ऊर्जा बुनियादी ढांचे को बनाया जाएगा निशाना: मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो अमेरिकी और इजराइली सेना ईरान की तेल रिफाइनरियों और बिजली संयंत्रों को निशाना बना सकती है। दुनिया के वित्तीय और शेयर बाजार खुलने से पहले ही हमलों को अंजाम देने की योजना पर चर्चा हो रही है। मामले में अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने कहा है कि अमेरिकी सेना इन हमलों के लिए पूरी तरह तैयार है।

मिडिल ईस्ट खाली करो, अमेरिका का नागरिकों को अलर्ट: लगातार बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने मध्य पूर्व के कई देशों में स्थित अपने दूतावासों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान, इज़राइल के यरुशलम और इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावासों ने नागरिकों को संभावित स्थिति बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर तुरंत क्षेत्र छोड़ने के लिए तैयार रहने की सलाह दी है।

हॉर्मुज में हमले से टैंकर क्षतिग्रस्त

लंदन, हॉर्मुज के मुहाने पर ओमान तट के पास एक तेल टैंकर पर हमला होने की जानकारी यूकेएमटीओ ने दी है। रॉयल नेवी समर्थित समुद्री निगरानी संस्था ने बताया कि जहाज पर एक अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है, जिससे उसके इंजन रूम को नुकसान पहुंचा है। ओमान के लीमा से लगभग 20 किमी उत्तर-पूर्व में इस रणनीतिक जलमार्ग के दक्षिणी छोर पर स्थित इस टैंकर की पहचान उजागर नहीं की गई है। घटना के बाद जहाज नियंत्रण से बाहर हो गया, हालांकि किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है।

अमेरिकी हमले के बाद कहां टारगेट करेगा ईरान, जारी की लिस्ट

ईरान ने पश्चिम एशिया के कुछ बड़े ऊर्जा संयंत्रों की लिस्ट जारी की है। तेहरान की तरफ से कहा गया कि अगर अमेरिका ने उसके ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया, तो वह इन ऊर्जा संयंत्रों को भी तबाह कर देगा। इस लिस्ट में सऊदी अरब, कुवैत, कतर, इजराइल के बड़े ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

शेयर बाजार, क्रूड ऑयल की चिंता बड़ी

दूसरी ओर शेयर बाजार और क्रूड ऑयल को लेकर जारी चिंताओं के बीच अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात पर विचार-विमर्श हो रहा है कि हमलों को सोमवार सुबह वित्तीय बाजार खुलने से पहले ही समेट लिया जाए। इसका कारण है कि ईरान के तेल ठिकानों पर हमले से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अचानक बहुत ज्यादा बढ़ सकती हैं, जिससे अमेरिका और दुनिया भर की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

ईरानी हमले का शिकार हुई एंजेला रामप्रसाद को दी गई भावुक विदाई

वाशिंगटन। जॉर्डन में ईरानी मिसाइल हमले का शिकार हुई भारतीय मूल की अमेरिकी सैन्य अधिकारी, स्टाफ सार्जेंट एंजेला रामप्रसाद को एक नायक की तरह अंतिम विदाई दी गई। उनके अंतिम संस्कार में परिजनों, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों, सैनिकों और सैकड़ों आम लोग शामिल हुए। अंतिम संस्कार के दौरान उनकी मां कैरोल एसेवेडो ने भावुक होते हुए कहा, मेरी बेटी एक सच्ची नायिका थी। इससे पहले, 22 जुलाई को जब एंजेल का पार्थिव शरीर जॉर्डन से अमेरिका के डोवर एयर फोर्स बेस पर लाया गया था, तब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वहां पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी।

स्पेन के 84 हजार की आबादी वाले शहर में घुसे 60 हजार अवैध प्रवासी

37000 लोग मर्जी से घर लौटे, इनमें 7000 बच्चे, अब तक 67 की मौत

● मेड्रिड / (एजेंसी)

स्पेन इस समय दुनियाभर में चर्चा का केंद्र बन गया है। अफ्रीका के उत्तर में स्थित स्पेन के स्यूटा शहर में अचानक पड़ोसी देश मोरक्को से 60 हजार अवैध प्रवासी घुस गए। अधिकांश को वापस मोरक्को भेजा गया। इन लोगों ने समुद्र और जमीन के रास्ते से घुसपैठ की। 84 हजार की कुल आबादी वाले इस शहर में अवैध प्रवासियों की संख्या आबादी के 70 फीसदी से अधिक हो गई थी। सुरक्षा बलों ने इन्हें रोकने की कोशिश की, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। मृतक संख्या बढ़कर 67 हो गई है। इसके अलावा स्पेन ने सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। सरकार ने समुद्र की ओर जाने वाली ब्रेकवाटर सीमा पर प्रवासियों को रोकने एक नया बैरियर लगाने की घोषणा की है।

अवैध रूप से घुस रहे इन लोगों का नजारा ऐसा था कि कोई समुद्र में तैरता दिखा तो कोई फ्लोटिंग ट्यूब पकड़े हुए था। कुछ लोग नाव पर सवार थे। सभी लोग बॉर्डर पार करना चाहते थे। इस भयावह स्थिति से निपटने स्यूटा शहर में सेना तैनात करनी पड़ी। सुरक्षा बलों को अवैध रूप से घुस रहे लोगों को रोकने हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी। 37 हजार लोग अपनी मर्जी से वापस मोरक्को लौट चुके हैं। अभी भी हजारों यहां फंसे हैं।

बेहतर जिंदगी की तलाश में घुसपैठ

मोरक्को से घिरा है स्यूटा शहर- स्पेन के जिस स्यूटा शहर को लेकर इस समय बवाल मचा हुआ है, वह चारों तरफ से मोरक्को से घिरा हुआ है। फिर भी यहां शासन स्पेन का चलता है। यूरोपीय संघ का हिस्सा होने की वजह से इस शहर में लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में घुसपैठ करते रहते हैं। स्पेन और मोरक्को के बीच सबसे कम समुद्री दूरी लगभग 14 किमी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जो भी स्यूटा पहुंचने की कोशिश करेगा, उसे बिना सुनवाई के वापस नहीं लौटाया जाएगा। इसके बाद इसे लेकर काफी अफवाहें फैल गईं और बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ सीमा पार कर स्यूटा में घुसने लगी।

रूस का यूक्रेन पर मिसाइलों से हमला

कीव, आरएनएन। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस ने शनिवार तड़के बैलिस्टिक मिसाइलों से बड़ा हमला किया, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 घायल हो गए।

धमाके में नौ लोगों की मौत, 23 घायल

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, राजधानी के कई इलाकों में एक के बाद एक धमाके हुए। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद विभिन्न हिस्सों में आग लग गई और कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। अफसरों के अनुसार सोलोमियांस्की ज़िले में एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत आंशिक रूप से ढह गई। इस हमले में दो लोगों की मौत हुई, जबकि आठ लोग घायल हुए. घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

वाझे, शर्मा समेत 10 पर आरोप तय

मुंबई, आरएनएन। बहुचर्चित एंटीलिया बम कांड और कारोबारी मनसुख हिरन हत्याकांड में शनिवार को बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया। जब विशेष एनआईए कोर्ट ने पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाझे, पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा और आठ अन्य आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की नियमित सुनवाई यानी ट्रायल शुरू होगा। यह मामला देश के सबसे चर्चित आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। विशेष एनआईए कोर्ट के जज चकोर बाविस्कर ने सभी आरोपियों पर आईपीसी की हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं और यूएपीए के तहत आरोप तय किए हैं।

एंटीलिया बम कांड

6 साल बाद भारत-चीन ट्रेड शुरू

पिथौरागढ़, आरएनएन। छह साल बाद भारतीय व्यापारी व्यापार के लिए तिब्बत चीन की मंडी तकलाकोट रवाना हो चुके हैं। शनिवार सुबह 10:15 पर भारतीय व्यापारियों और सहायकों को लिपु दर्रे पर चीनी अफसरों के सुपुर्द किया गया। व्यापारियों के पहले दल में 16 व्यापारी और उनके चार सहायक कुल 20 लोग शामिल है। विदित हो कि कोरोना के चलते 2020 से भारत चीन व्यापार बंद था 2026 से एक बार फिर भारत चीन व्यापार आरंभ हो गया है। शनिवार सुबह तिब्बत में प्रवेश किए व्यापारी अब तकलाकोट मंडी पहुंच चुके होंगे। व्यापारियों के पहले दल को 8 अगस्त को तकलाकोट जाना था।

आज का इतिहास

- **1790:** अमरिका में पहली बार जनगणना हुई।
- **1831:** नीदरलैंड की सेना ने दस दिनों के अभियान के बाद बेल्जियम पर कब्जा किया।
- **1858:** ब्रितानी संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी से भारतीय प्रशासन अपने हाथों में लेने वाला विधेयक पारित किया।
- **1870:** लंदन में विश्व का प्रथम भूमिगत ट्यूब रेलवे टावर सबबे शुरु हुआ।
- **1922:** चीन में समुद्री तूफान टाइफून से लगभग साठ हजार लोगों की मृत्यु हो गई।
- **1923:** अमेरिका के 29वें राष्ट्रपति वारेन जी हार्डिंग की कार्यालय में मृत्यु।
- **1932:** पॉजीट्रान, इलेक्ट्रॉन का एक कण, की कार्ल डी एंडीसन द्वारा खोज की गई।

शोध — सांप के खून में मौजूद खास प्रोटीन मौजूदा दवाओं से कई गुना ज्यादा असरदार

वैज्ञानिकों ने खोजा सांप के जहर से निपटने का तरीका

● वाशिंगटन (हि.स.)।

सांप का जहर इंसानों के लिए जानलेवा होता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने उसी जहर से लोगों की जान बचाने का तरीका खोज लिया है। रिसर्चर का कहना है कि सांप के खून में मौजूद खास प्रोटीन भविष्य में ऐसा एंटीवेनम बना सकते हैं। जो मौजूदा दवाओं से कई गुना ज्यादा असरदार होगा। यह शोध यूएस की यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के वैज्ञानिकों ने किया है। इसे प्रतिष्ठित जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में पब्लिश किया गया है। वैज्ञानिकों ने जहरीले सांपों के काटने का इलाज करने के लिए एक बेहद अनोखा और क्रांतिकारी तरीका खोज निकाला है। इस नए इलाज के लिए उन्होंने किसी दूसरे जानवर का सहारा लेने के बजाय खुद सांपों के खून में मौजूद उन प्रोटीन्स का इस्तेमाल किया है।

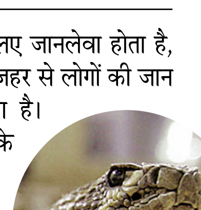

हर साल 1.4 लाख लोगों की सांप के जहर से हो जाती है मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हर साल दुनिया भर में सांप के काटने से लगभग 80 हजार से 1.4 लाख लोगों की मौत हो जाती है। लाखों लोग हमेशा के लिए अपाहिज हो जाते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग ग्रामीण इलाकों के होते हैं जहां इलाज की सुविधाएं आसानी से नहीं मिलतीं।

फेटुआ-3 नामक प्रोटीन की पहचान

1890 के दशक से ही वैज्ञानिक घोड़ों या खरगोशों में सांप के जहर की हल्की खुराक देकर उनके खून से एंटीबॉडीज तैयार करते आए हैं। लेकिन इस नई रिसर्च ने दिखाया है कि खुद सांपों के अपने खून में घोड़ों से कहीं ज्यादा शक्तिशाली और असरदार तत्व मौजूद होते हैं। ये कई तरह की जहरीली प्रजातियों के खिलाफ काम कर सकते हैं। वैज्ञानिकों को सालों से पता था कि वाइपर प्रजाति के सांप अपने ही जहर से सुरक्षित रहते हैं, लेकिन उनके खून में ऐसी क्या चीज है, यह रहस्य बना हुआ था। 2022 में कैरोल की लैब ने फेटुआ-3 नाम के एक प्रोटीन की पहचान की, जो रैटलस्नेक के जहर के मुख्य टॉक्सिन्स को बेअसर कर देता है। ताजा अध्ययन में जब अलग-अलग फेटुआ प्रोटीन्स को आपस में मिलाया गया, तो उनकी जहर काटने की क्षमता चमत्कारिक रूप से बढ़ गई। लैब टेस्ट में यह नया प्रोटीन मिश्रण भेड़ों के खून से बनने वाले मौजूदा रैटलस्नेक एंटीवेनम से करीब 10 गुना ज्यादा ताकतवर निकला। रिसर्चर्स का मानना है कि इस खोज से भविष्य में ऐसा एंटीवेनम तैयार किया जा सकेगा।

रेल मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई

पांच ग्रुप अधिकारी समय से पहले होंगे रिटायर

● नई दिल्ली (एजेंसी)

रेल मंत्रालय ने भ्रष्टाचार, ईमानदारी की कमी व कार्यक्षमता के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए 5 ग्रुप ए अफसरों को जनहित में समय से पूर्व सेवानिवृत्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भ्रष्टाचार और कार्यक्षमता समीक्षा के बाद फैसला

रेलवे बोर्ड की समीक्षा समितियों ने विस्तृत मूल्यांकन के बाद इन अफसरों को सेवा से समय पूर्व हटाने की सिफारिश की है। रेल मंत्रालय के अनुसार यह कार्रवाई इंडियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट कोड, वॉल्यूम-2 के नियम 1802 (ए) के तहत की जा रही है, जो फंडामेंटल रूल 56 (जे) के समकक्ष है। इस प्रावधान के तहत जनहित में ऐसे अधिकारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त किया जा सकता है, जिनकी सेवा को आगे जारी रखना उचित नहीं माना जाता।

समीक्षा समितियों ने इंडियन रेलवे हेल्थ सर्विस के दो वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड अफसरों, नॉर्दर्न रेलवे के आईआरएसई संवर्ग के एक संयुक्त प्रशासनिक ग्रेड अधिकारी, के एक अधिकारी तथा वेस्टर्न रेलवे के संवर्ग के एक जेएजी अधिकारी को समय से पूर्व रिटायर करने की सर्वसम्मति से सिफारिश की है।

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में डिजिटल अरेस्ट को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणी के व्यापक अर्थ

अरुण कुमार दीक्षित

पत्रकारिता का संबंध जन सरोकारों से है। पत्रकारिता लोकहित का माध्यम है। पत्रकारिता राष्ट्र के तीनों आयामों कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका को सत्य, न्याय और पारदर्शी बनाने की प्रमुख भूमिका में होती है। तभी इसे राष्ट्र का चौथा स्तम्भ माना गया है। निरंकुश राजनीति पर प्रहार करती है। मानवीय मूल्यों की तरफदारी करती है पत्रकारिता। समाज में पत्रकारिता से नया वातावरण सृजित होता है। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पत्रकारिता जगत को आत्ममंथन करना चाहिए।

जुलाई माह में दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गिरीश कठपालिया की टिप्पणी के गहन और व्यापक अर्थ हैं। न्यायाधीश ने कहा कि मोबाइल और माइक लेकर घूमने वाला प्रत्येक व्यक्ति खुद को पत्रकार बताने लगा है। प्रेस की स्वतंत्रता जरूरी है लेकिन गैरजिम्मेदार पत्रकारिता से डराना-धमकाना बर्दाश्त नहीं होगा। न्यायाधीश की यह चिंता सही है। मोबाइल के आने के बाद अच्छी-बुरी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार बढ़ा है। अच्छी वे खबरें जो जन सरोकारों से जुड़ी हों। राष्ट्र समाज के संवर्धन की हों। राष्ट्र समाज प्रथम की कार्रवाई से जुड़ी हर खबर अच्छी मानी जाएगी। बुरी खबरें वे हैं जिससे समाज टूटता हो। समाज विघटित होता हो। राष्ट्र की कानून-व्यवस्था को खतरा हो। डेढ़-दो दशक से करोड़ों सूचनाएं हैं। यह सूचनाएं व्यक्ति के मस्तिष्क को मथती हैं। व्यक्ति को तनाव में ले जाती हैं। हिंसक बनातीं हैं। हिंसा की ओर प्रेरित करने वाली होती हैं। कई बार लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं। शुभता वाली सूचनाओं का अभाव है। सनसनी फैलाती खबरें समाज के लिए लाभदायक नहीं होती। अशुभ सूचनाओं की लोकप्रियता है। समाचार माध्यमों और पत्रिकाओं को व्यक्ति के लिए परामर्श वाले लेख लिखने पड़ रहे हैं कि तनाव में न रहें लोग। हरियाली वाले क्षेत्रों में पार्कों में घूमने जाएं। संगीत का आनंद लें। स्वस्थ रहें, मस्त रहें। करें योग रहे निरोग का स्मरण भी कराना पड़ रहा है। वीडियो जारी करने पड़ते हैं कि अमुक कार्य करने से तनाव हटता-घटता है। इसकी मुख्य वजह है बुरी सूचनाओं का आग की तरह भारी फैलाव। प्रत्यक्ष अपराध के मामलों की तरह अप्रत्यक्ष अपराध बढ़े हैं। हिंसा बढ़ी है। बैंकों में जमा धन खाताधारकों की बिना जानकारी के निकल जाता है। इसे साइबर क्राइम कहा गया है। इसको लेकर सरकार ने मोबाइल फोन के रिंगटोन में भी सतर्क रहने के संदेश डाले हैं। अज्ञात व्यक्तियों और मोबाइल नंबरों से दूरी बनाए रखने के भी संदेश हैं। मोबाइल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाएं आती हैं। समझना जरूरी है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई घटना नहीं होती। दोनों पक्ष दूर होते हैं। अज्ञात होते हैं। स्त्री या किसी काल्पनिक अपराध में संलिप्त बताकर व्यक्ति को डरा-धमका कर बैंक खातों में धन हस्तांतरित करा लिया जाता है। अश्लीलता का सहारा लेकर अपराध बढ़े हैं। स्त्रियों के विरुद्ध और स्त्रियों के द्वारा भी अपराधों को किया जा रहा है। इस पूरे सिस्टम में वीडियो, ऑडियो, रिकार्डिंग को लेकर चित्रों तक से ब्लैकमेलिंग का जोरदार खेल चल रहा है। जब तक पीड़ितों की शिकायतें पुलिस तक जाती हैं तब तक देर हो चुकी होती है। तथाकथित पत्रकारों द्वारा खबर चलाने की धमकी दी जाती है, आंशिक खबरें डालकर बुलाया जाता है, पीछा किया जाता है। तथाकथित पत्रकारों द्वारा किसी अच्छे काम को पल भर में मिथ्या आरोपी अपराधी करार दिया जाता है। इस तरह पत्रकारिता का चेहरा वीभत्स बनाए जाने में बड़ी संख्या में तथाकथित मोबाइल, माइकधारी जुटे हैं। हमें यह स्मरण रखना होगा कि भारत और भारत के बाहर भी हमारे पूर्वजों ने पत्रकारिता को गुलामी, शोषण, अत्याचार के विरुद्ध हथियार बनाया। सबसे बड़े पत्रकार महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध इंडियन ओपिनियन नामक समाचार पत्र निकाला था। बाद में यंग इंडिया, हरिजन, हरिजन सेवक , नवजीवन समाचार पत्रों ने गांधीजी को आकाश जैसी ऊंचाई दी। भारत में डॉ आंबेडकर ने मूकनायक, तिलक ने केसरी समाचार पत्र का संपादन किया था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने 30 मई 1826 को कलकत्ता (कोलकाता) से हिंदी का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड शुरू किया था।प्रताप नारायण मिश्र ने ब्राह्मण 1883 कानपुर और गणेश शंकर विद्यार्थी ने प्रताप 1913 कानपुर समाचार पत्र निकाला था। नेहरु ने नेशनल हेराल्ड 1938 और जी एस अयंगर ने द हिंदू निकाला था। समाचार पत्रों पर अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगाए। संपादकों और पत्रकारों को जेल में डाला, भारी जुमार्ना लगाया। अंग्रेजों के अत्याचार से हम सबके पूर्वज डरे नहीं। उनके अंतस में भारत को स्वाधीन करने का महान सपना था। राष्ट्र सर्वोपरि की लगन थी। वे लोग अपने सपने को पूर्ण करके ही माने। प्रसिद्ध संचार शास्त्री मैकलुहान ने कहा था कि माध्यम ही संदेश है। रेडियो, प्रिंट, टेलीविजन और इंटरनेट जैसे पारम्परिक माध्यमों के साथ कृतिम मेधा हमारे बीच है। सबका उद्देश्य जनमानस का लोकहित ही है। आज स्थिति भयावह है। घर में, बस में, रेल में, होटल में, दफ्तर में कही जा रही बातों को मोबाइल से वीडियो बनाकर डाल देते हैं। रिकॉर्डिंग जारी कर देते हैं। प्रश्न है, इससे क्या लोकहित है। क्या स्वस्थ समाज बनाने का सपना है, नहीं। इसके कारण व्यक्ति की निजता घटी है। विश्वास का संकट बढ़ा है। अधिकारी, नेता, जनता सबका झूठ बोलना बढ़ा है। रिकार्डिंग भी कि आप कहीं यह न कहो कि हम नहीं बोले। प्रमाण है कि आप यह बोले थे।

भगवा का स्वांग और संसद की मर्यादा : सत्ता-विरोध के नाम पर हिन्दू आस्था से छल कब तक?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत एक ऐसी सभ्यता है जिसकी आत्म-चेतना उसके सांस्कृतिक प्रतीकों, आध्यात्मिक परंपराओं और लोकविश्वासों में बसती है। संविधान भारत को राजनीतिक एकता देता है, जबकि संस्कृति उसे वह स्व की चेतना प्रदान करती है, जिसके माध्यम से राष्ट्र संचालित है, इसलिए जब राजनीति संस्कृति के प्रतीकों को अपने क्षणिक संघर्ष का औजार बना लेती है, तब यह किसी स्तर का विवाद न होकर सीधे राष्ट्रीय चेतना पर प्रहार हो जाता है।

अभी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली आन्दोलन को बहुत समय नहीं बीता है, वहां सभी ने देखा कि कैसे हिन्दू मानबिन्दुओं को अपमानित किया गया। हिन्दू सभ्यता, सनातन संस्कृति न जाने कितने ही मुद्दे रहे जो नीट को छोड़कर थे और जिसके केंद्र में हिन्दू घृणा थी। यह कोई उम्मीद नहीं कर रहा था कि विरोध के नाम पर छात्र आन्दोलन के बहाने जो कीचड़ जंतर-मंतर पर उछाली जा रही थी, वही संसद में हिन्दू आस्था और प्रतीकों पर भद्र कहे जानेवाले कथित सांसदों द्वारा भी उछाली जाएगी !

वस्तुतः संसद परिसर में भगवा वस्त्र धारण कर विपक्ष के कुछ सांसदों द्वारा राम मंदिर के चढ़ावे की कथित अनियमितताओं को लेकर किया गया प्रदर्शन इसी दृष्टि से गंभीर प्रश्न खड़े करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार से प्रश्न पूछना विपक्ष का धर्म है, किंतु धर्म निभाने और धर्म का प्रतीक पहनकर राजनीतिक अभिनय करने में मूलभूत अंतर है।

राजनीति में अक्सर देखा गया है कि जब भी विचार समाप्त होने लगते हैं, तब प्रतीकों का नाटकीय उपयोग बढ़ने लगता है। तर्कों के स्थान पर दृश्य रचे जाते हैं, तथ्यों के स्थान पर अभिनय प्रस्तुत किया जाता है और फिर भावनाओं को झकझोरने का प्रयास होता है, जिसमें कि मूल विषय आधारित विमर्श कहीं बहुत पीछे छूट चुका होता है।

संसद परिसर में दानपेटी रखकर, भगवा वस्त्र पहनकर और उस वेशभूषा को कथित भ्रष्टाचार के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। यदि किसी ट्रस्ट, संस्था या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितता का संदेह है तो उसका समाधान जांच, प्रमाण और विधिक प्रक्रिया से होगा। संसद में प्रश्न पूछे जा सकते हैं, दस्तावेज रखे जा सकते हैं, जांच की मांग की जा सकती है, किंतु नहीं, कथित भद्र सांसदों को तो संन्यासी के वेश को राजनीतिक नाटक का हिस्सा बनाना था, सो बना दिया गया!

यहां एक प्रश्न विपक्ष से भी पूछा जाना चाहिए। यदि लोकतंत्र में समानता का सिद्धांत सर्वोपरि है, तो क्या वही राजनीतिक प्रयोग किसी अन्य धर्म के अत्यंत पवित्र धार्मिक परिधान के साथ भी किया जाता? यदि इस संदर्भ में उत्तर नकारात्मक है, तो यह हिन्दू और गैर हिन्दू के लिए मापदंड अलग-अलग क्यों है? कथित सांसद ये कैसे भूल गए, धर्मनिरपेक्षता का वास्तविक अर्थ सभी आस्थाओं के प्रति समान सम्मान है, न कि चयनात्मक संवेदनशीलता।

क्योंकि किसी में हिम्मत नहीं है कि चर्च आधारित व्यवस्था- नन और पास्टर का चोंगा पहनकर इस तरह का नाटक किया जाता? क्या जालीदार टोपी लगाकर कुर्ता-पजामा पहनकर ऐसा नाटक संसद में किया जाना संभव है? क्या ईसाई एवं इस्लाम में अपराध नहीं घट रहे? क्या देश की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी जनसंख्या में सभी ईमानदार हैं?

बिशप फ्रैंको मुलक्कल मामला, मलंकरा ऑर्थोडॉक्स चर्च ब्लैकमेल केस, फादर रॉबिन केस व सख्त रवैया, फादर अलीनी डी मेलो और फादर विक्टर रोड्रिगेज, जैसे अनेकों बड़े प्रकरण गिनाए जा सकते हैं, जो चर्च से, मिशनरी से जुड़े हुए हैं। इस्लाम और मुस्लिम समुदाय में भी मदरसों, मस्जिदों, मुल्ला-मौलवियों और वक्फ बोर्ड से जुड़े यौन शोषण, बलात्कार और बड़े पैमाने पर भूमि विवाद के संबंधित भ्रष्टाचार के कई गंभीर मामले हैं। तो क्या ये प्रबुद्ध कथित सांसद उनके प्रतीक बनाएंगे?

यह समझना आवश्यक है कि भगवा रंग का महत्व किसी राजनीतिक दल ने निर्धारित नहीं किया। यह महत्व हिन्दू सनातन धर्म में हजारों वर्षों की तपस्या से अर्जित साधना का परिणाम है। ऋग्वेद का प्रथम मंत्र अग्नि को समर्पित है। वही अग्नि, जिसकी ज्वाला केसरिया है, भारतीय चिंतन में शुद्धि, समर्पण और तप की प्रतीक बनी। उपनिषदों ने संन्यासी को अग्नि के समान बताया है। जिसके लिए कहा गया कि वह स्वयं तपता है और समाज को प्रकाश देता है, इसलिए भगवा वस्त्र धारण करना अपने अहंकार का विसर्जन कर लोकमंगल के लिए स्वयं को समर्पित करने की प्रतिज्ञा है।

महाभारत के अनुशासन पर्व में संन्यास को आत्मसंयम की सर्वोच्च अवस्था कहा गया है। परंपरा में संन्यास ग्रहण करने वाला व्यक्ति अपने सांसारिक जीवन का प्रतीकात्मक अंत करता है। उसके बाद उसे भगवा धारण करने का अधिकार मिलता है, इसलिए भारतीय समाज में भगवा वस्त्र किसी अभिनय का परिधान कभी नहीं हो सकता, यह त्याग का सार्वजनिक व्रत है।

इसी कारण भारतीय जनमानस में भगवा के प्रति श्रद्धा धर्म से जुड़ी होने के साथ ही सांस्कृतिक भी है। भगवान श्रीराम के ध्वज से लेकर अर्जुन के कपिध्वज तक, आदि शंकराचार्य की दिग्विजय से लेकर स्वामी विवेकानंद के विश्वधर्म सम्मेलन तक, छत्रपति शिवाजी महाराज के जरिपटके से लेकर गुरु गोविंद सिंह के निशान साहिब तक केसरिया रंग भारतीय आत्मविश्वास, आत्मबल और आत्मत्याग का ध्वज रहता आया है। यह भारत की सभ्यतागत स्मृति जो चिरकाल तक रहनेवाली है, जब तक कि इस धरा पर सनातन हिन्दू धर्म को माननेवाले एक व्यक्ति भी जीवित है।

वस्तुतः विश्व हिंदू परिषद और अनेक संतों ने आज इसी कारण इस प्रदर्शन पर तीखी आपत्ति जताई है। उनकी आपत्ति का मूल बिंदु यह है कि यदि किसी धार्मिक प्रतीक का उपयोग व्यंग्य या राजनीतिक आरोपों के मंचन के लिए किया जाएगा, तो इससे करोड़ों लोगों की आस्था प्रभावित होगी और यह सच भी है, इससे जुड़े आज हमारे सामने अनेक उदाहरण भी मौजूद हैं। धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक नाट्यरूपांतरण स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है।

अच्छा होता, इस तरह से भगवा का स्वांग करने के स्थान पर कथित सांसद पहले भगवा वस्त्र के भाव को समझने का प्रयास करते। वैसे अभी भी समय नहीं बीता है, वे इसे जानें, आखिर इसका महत्व क्या है? वे अपने भारतीय इतिहास के कठिनतम क्षणों में याद करें। विदेशी आक्रमणों के समय यही भगवा ध्वज प्रतिरोध का प्रतीक बना। संन्यासियों ने अनेक अवसरों पर समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष भी किया और बड़ी संख्या में हुतात्मा भी हुए। इसी कारण यह रंग श्रद्धा और बलिदान दोनों का प्रतिनिधि है।

यह भी ध्यान रखने योग्य है कि बौद्ध भिक्षुओं का काषाय चीवर, जैन तपस्वियों की परंपराएं और सिख पंथ का केसरिया निशान जैसी अनेक धाराएं हैं, सभी भारतीय आध्यात्मिक धारा में इसी रंग की प्रतिष्ठा को पुष्ट करते हैं। अर्थात यह किसी एक संगठन, संप्रदाय या राजनीतिक विचारधारा का प्रतीक न होकर संपूर्ण भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की साझा विरासत है।

संसद लोकतंत्र का मंदिर कही जाती है। मंदिर में प्रवेश करने वाला व्यक्ति अपने व्यवहार पर संयम रखता है; संसद में भी वही अपेक्षा होनी चाहिए। वहां विरोध हो, सरकार की कठोर आलोचना हो, किंतु तथ्यों पर आधारित हो। यह लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। पर यदि विरोध की भाषा इस सीमा तक पहुंच जाए कि वह किसी सभ्यता के पूज्य प्रतीकों को राजनीतिक अभिनय का उपकरण बना दे, तो लोकतंत्र का स्तर ऊंचा नहीं होता, बल्कि सार्वजनिक विमर्श की गरिमा घटती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद स्वयं यह संदेश दे कि भारत की विविध आस्थाओं के पवित्र प्रतीकों को दलगत संघर्ष का हथियार नहीं बनने देंगे। सरकारें बदलती रहेंगी, विपक्ष भी बदलता रहेगा लेकिन भारत की सभ्यता और उसके प्रतीकों का सम्मान राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रहना चाहिए। यदि यह मयार्दा टूटती है तो क्षति किसी व्यक्ति, समाज, समूह या दल की नहीं होगी, वास्तव में यह क्षति उस राष्ट्रीय चेतना की होगी, जिसने हजारों वर्षों से इस देश को सिर्फ एक भू-भाग मानने तक कभी सीमित नहीं रखा है, यह वही राष्ट्रीय चेतना है जिसके लिए भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में सदैव प्राणवान रहता आया है ।

(लेखक फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शोध विद्यार्थियों के लिए आपातकाल का सन्दर्भ ग्रन्थ

(पुस्तक समीक्षा)
(प्रो.राज कुमार भाटिया)

1975 में भारत में लागू किए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ व अनुभवी पत्रकार श्री अजय सेतिया द्वारा लिखित और सुप्रसिद्ध प्रभात प्रकाशन की ओर से प्रकाशित 240 पृष्ठों की पुस्तक आपातकालः आन्दोलन और विश्वासघात की अंतर्कथा भरपूर सामग्री और तथ्यों से लैस है। लेखक, जो आपातकाल के पूर्व एक युवा राजनीतिक कार्यकर्ता थे और जिन्हें आपातकाल में बंदी भी बनना पड़ा, ने आपातकाल संबंधी साहित्य के अध्ययन एवं अपनी प्रत्यक्ष जानकारियों के आधार पर एक समृद्ध पुस्तक बनाई है।

वैसे तो आपातकाल संबंधी अनेक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं, फिर भी संभवतः इस पुस्तक में जिज्ञासुओं को नया कुछ जानने का अवसर मिलेगा। आपातकाल से जिनका गहरा नाता रहा और जो स्वयं आपातकाल के संबंध में शोध आधारित नई पुस्तकें लिख रहे हैं, ऐसे वरिष्ठ पत्रकार श्री रामबहादुर राय ने पुस्तक के प्राक्कथन में लिखा है, इमरजेंसी पर पुस्तकें तो कोई कमी नहीं हैं। फिर भी यह पुस्तक इसलिए बहुत उपयोगी है, क्योंकि ज्यादातर पुस्तकें ऐसी हैं, जो इमरजेंसी के संदर्भ पर ध्यान नहीं देतीं। अजय सेतिया की यह पुस्तक पाठकों को उस दौर में चित्रवत पहुँचाती है।

पुस्तक की प्रासंगिकता के बारे में लेखक ने दो वजहें बताई हैं। वे लिखते हैं, दूसरी वजह पहली वाली वजह से भी ज्यादा गंभीर है। आपातकाल की पचासवीं सालगिरह पर मार्क्सवादी कम्युनिस्टों और समाजवादियों ने आपातकाल के दौरान घटी घटनाओं को इतना विकृत करने का प्रयास किया कि सच्चाई का दस्तावेज सामने लाना जरूरी हो गया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने आपातकाल का विरोध जरूर किया था, लेकिन आपातकाल के खिलाफ सत्याग्रह या भूमिगत आंदोलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी, जबकि समाजवादियों की आंदोलन और लोक संघर्ष समिति में सक्रिय भागीदारी थी। लेकिन ज्यादातर समाजवादी शुरू के दिनों में ही गिरफ्तार हो गए थे। उनका समाज में ढांचा इतना कमजोर था कि सत्याग्रह में उनकी भूमिका नगण्य थी, जिसके आँकड़े भी इस पुस्तक में दिए गए हैं। भूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह मोटे तौर पर जनसंघ, विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर ही निर्भर था। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र,

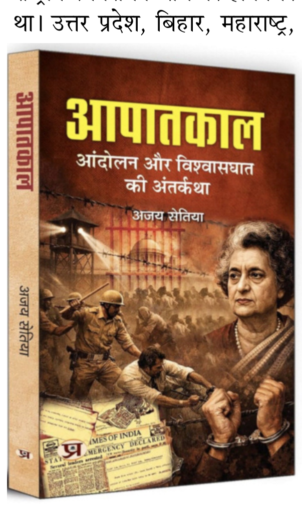

राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर के लोकतंत्र सेनानियों और जिन राज्यों में उन्हें पेंशन मिलती है, उनकी सूची देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आपातकाल के खिलाफ आंदोलन किसने संचालित किया था। पुस्तक में लेखक ने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि आपातकाल के दौरान विभिन्न संगठनों की वास्तविक भूमिका क्या थी तथा किन संगठनों ने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए सबसे अधिक सक्रियता से कार्य किया। उन्होंने अनेक दस्तावेजों, संस्मरणों, सरकारी अभिलेखों तथा समकालीन समाचारों के आधार पर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। आपातकाल से पूर्व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय पदाधिकारी होने के नाते , आपातकाल में पूरे समय जेलबंदी के नाते व आपातकाल के तुरंत पश्चात के घटनाक्रम का भी स्वयं साक्षी था। इसलिए मैं यह अनुभव करता रहा हूँ कि ऐसी पुस्तकों की महती आवश्यकता थी, जो आपातकाल के विरुद्ध किए गए संघर्ष में संघ परिवार की भूमिका को सुसंगत रूप से प्रस्तुत करे। जिसकी अब तक लिखी गई पुस्तों में कमी महसूस हो रही थी। अजय सेतिया की पुस्तक से वह कमी कुछ सीमा तक दूर हुई है।

वैसे तो लेखक ने आपातकाल से पूर्व और आपातकाल के बाद के दृश्यों को समेटते हुए 19 माह के आपातकाल का सजीव चित्रण व विश्लेषण प्रस्तुत किया है, पर जैसा कि दूसरी वजह में उनकी मंशा थी। 36 अध्यायों की पुस्तक में उन्होंने 8 अध्याय संघ परिवार के संदर्भ में लिखे हैं। दो अध्यायों में उन्होंने मदरलैंड अखबार के संपादक के. आर. मलकानी, उनकी गिरफ्तारी तथा अखबार के 26 जून के अंक के बारे में लिखा है, तो दो अध्यायों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कीभूमिगत आंदोलन और सत्याग्रह में भूमिका को उजागर किया है। दो अध्यायों में उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका के बारे में लिखा है। परिषद के आंदोलन, उसके भूमिगत कार्य तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया है।

संघ परिवार से जुड़े उनके दो अध्याय अति विशेष हैं। एक है बाला साहब मधुकर दतात्रेय की चिठ्ठियों पर बवंडर और दूसरा -संघ जनसंघ और जयप्रकाश नारायण। बाला साहब देवरस आपातकाल के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक थे, जिन्हें बंदी बना लिया गया था। उन्होंने कारागार में रहते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखे थे, जो अब इतिहास की धरोहर हैं और जिन पर कम्युनिस्टों और समाजवादियों के द्वारा निर्मित बवंडर का लेखक ने 18 पृष्ठों में प्रतिवाद किया है। जयप्रकाश नारायण ने आपातकाल से पूर्व 15-16 माह तक बिहार आन्दोलन, जिसे जयप्रकाश आन्दोलन भी कहा गया था, का नेतृत्व किया था। उनकी पुरानी पृष्ठभूमि संघ परिवार के अनुकूल नहीं थी। पर आन्दोलन के कारण वे संघ परिवार (संघ, जनसंघ और विद्यार्थी परिषद) के साथ खड़े हो गए थे। जयप्रकाश जी के संघ और जनसंघ के निकट आने की कहानी लेखक ने एक अध्याय में वर्णित की है। पुस्तक के अंतिम अध्यायों में आपातकाल की समाप्ति की ओर जाने वाले घटनाक्रम का वर्णन आया है। उसी में एक अध्याय है, चरण सिंह का निर्णायक विश्वासघात, जिसमें आपातकाल विरोधी सफल आंदोलन की उपलब्धियों पर पानी फेर दिए जाने की कहानी है।

आपातकाल भारत में आपातकाल लगाना जितनी बड़ी त्रासदी थी, उतनी ही पीड़ादायक कहानी थी उसके विरुद्ध हुए संघर्ष और आंदोलन की सफलता को मटियामेट करने वाली स्वार्थ और महत्त्वाकांक्षा से युक्त राजनीति, जिसे लेखक ने निर्णायक विश्वासघात कहा है।

कुल मिलाकर यह पुस्तक आपातकाल के इतिहास, उसके राजनीतिक परिप्रेक्ष्य तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को समझने के इच्छुक पाठकों के लिए एक उपयोगी और संदर्भग्रंथ के रूप में सामने आती है। विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए यह पुस्तक उस दौर की घटनाओं को समझने तथा उनसे सीख लेने का एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो सकती है। पुस्तक की कीमत 500 रूपए मात्र है, जो रियायती कीमत पर इमेजोन, फ्लिप्कार्ट और प्रभात प्रकाशन पर उपलब्ध है। (समीक्षक दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर है, वह आपातकाल के समय खुद जेल बंदी थे)

सावन विशेष : भगवान शिव का अद्भुत स्वरूप और उसमें छिपा जीवन-दर्शन

उदय कुमार सिंह

गले सर्पों का हार है, वस्त्र व्याघ्र की खाल है।त्रिशूल-डमरूधारी, बाबा भोले भंडारी की महिमा अपरंपार है। मानव जीवन के समस्त पापों, कष्टों और संतापों का शमन करने वाला पावन सावन मास आरंभ हो चुका है। देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ रही है। हर ओर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष गूंज रहे हैं। शिवभक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना कर रहे हैं।

सावन का महीना केवल जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-उपवास तक सीमित नहीं है। यह आत्मशुद्धि, संयम, तप और शिवत्व को अपने जीवन में उतारने का भी अवसर है। इस पूरे महीने आप भी किसी न किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं लेकिन क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि भगवान शिव का स्वरूप ऐसा क्यों है? उन्होंने अपने शरीर पर जो कुछ धारण किया है, उसका क्या महत्व है? क्या यह केवल पौराणिक अलंकरण है या फिर हर प्रतीक के पीछे कोई गहन आध्यात्मिक संदेश छिपा है?

वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप जितना अलौकिक दिखाई देता है, उतना ही गूढ़ और दार्शनिक भी है। उनकी विशाल जटाओं से लेकर मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, तीसरे नेत्र, नीलकंठ, गले में लिपटे सर्प, मुंडमाला, त्रिशूल, डमरू, व्याघ्रचर्म, भस्म और नंदी इन सभी का अपना विशिष्ट महत्व है। शिव का प्रत्येक अंग और प्रत्येक आभूषण जीवन को सही दिशा देने वाली शिक्षा प्रदान करता है।

क्या वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप ऐसा ही था ?सनातन परंपरा में शिव को साकार और निराकार दोनों रूपों में स्वीकार किया गया है। वे कण-कण में विद्यमान हैं इसलिए उन्हें किसी एक स्वरूप में सीमित नहीं किया जा सकता।

फिर भी आज जो शिव स्वरूप प्रचलित है, वह निराधार नहीं है। पुराणों, वेदों, उपनिषदों और विभिन्न धार्मिक आख्यानों में भगवान शिव के गुण, कर्म और लीलाओं का जो वर्णन मिलता है, उसी के आधार पर कलाकारों और मूर्तिकारों ने उनके स्वरूप की कल्पना की। इसलिए शिव का प्रत्येक प्रतीक उनके व्यक्तित्व और उनके दिव्य संदेश का प्रतिनिधित्व करता है।

आइए जानते हैं भगवान शिव के स्वरूप में

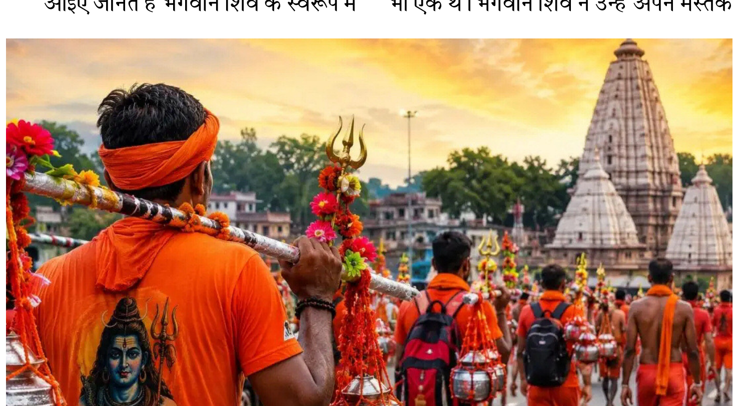

निहित आध्यात्मिक रहस्यों को

जटाएं : अनंत ब्रह्मांड और तप का प्रतीकभगवान शिव की विशाल जटाएं केवल उनके योगी स्वरूप का परिचय नहीं देतीं, बल्कि वे संपूर्ण ब्रह्मांड का भी प्रतीक हैं। जिस प्रकार अंतरिक्ष में असंख्य ग्रह, नक्षत्र, आकाशगंगाएं और तारामंडल विद्यमान हैं, उसी प्रकार शिव की जटाएं अनंत सृष्टि का बोध कराती हैं। इन्हीं जटाओं में मां गंगा का अवतरण हुआ और मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित हैं। जटाएं यह भी दर्शाती हैं कि शिव पूर्ण योगी हैं, जिन्होंने सांसारिक आकर्षणों पर विजय प्राप्त कर तप और आत्मसंयम को अपनाया।

मां गंगा : करुणा और जीवन का प्रवाहपौराणिक कथा के अनुसार जब मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तब उनके तीव्र वेग को संभालने के लिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया। यह प्रसंग केवल कथा नहीं बल्कि यह संदेश देता है कि शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब उस पर संयम का नियंत्रण हो। शिव की जटाओं से प्रवाहित होती गंगा जीवन, पवित्रता, करुणा और लोककल्याण की प्रतीक हैं।

चंद्रमा : शांत और निर्मल मन का प्रतीकसमुद्र मंथन से निकले चौदह रत्नों में चंद्रमा भी एक थे। भगवान शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा मन का कारक माना जाता है। शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा यह संदेश देता है कि मन सदैव शांत, संतुलित और निर्मल होना चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, स्थिर मन वाला व्यक्ति ही सही निर्णय ले सकता है। त्रिनेत्र : ज्ञान और चेतना का प्रतीकभगवान शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनके तीन नेत्र केवल तीन आंखें नहीं, बल्कि तीन प्रकार की चेतना का प्रतीक हैं। ये तीनों नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य के ज्ञान, सत्त्व, रज और तम तीनों गुणों की समझ तथा स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल तीनों लोकों पर दृष्टि का संकेत देते हैं। शिव का तीसरा नेत्र दिव्य ज्ञान का प्रतीक है। जब यह खुलता है तो अज्ञान, अधर्म और अहंकार का अंत हो जाता है। नीलकंठ : विष को भी स्वीकार करने का साहससमुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष का पान कर लिया। माता पार्वती ने उसे उनके कंठ से नीचे नहीं उतरने दिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महान व्यक्ति समाज की पीड़ा स्वयं सह लेते हैं लेकिन उसे दूसरों तक नहीं पहुंचने देते।

सर्पों का हार : नकारात्मक प्रवृत्तियों पर नियंत्रणसर्प सामान्यतः भय, मृत्यु और तमोगुण का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव ने उसे अपने गले का आभूषण बना लिया। इसका अर्थ है कि जिसने अपने भय, क्रोध, मोह और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर ली, वही सच्चा योगी है। शिव यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपनी दुर्बलताओं का दास नहीं बल्कि स्वामी बनना चाहिए।

मुंडमाला : मृत्यु के शाश्वत सत्य का बोधभगवान शिव के गले में सुशोभित मुंडमाला जीवन और मृत्यु के सनातन चक्र का प्रतीक है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार यह देवी शक्ति के अनेक जन्मों का प्रतीक है, जबकि दार्शनिक दृष्टि से यह बताती है कि जन्म और मृत्यु प्रकृति का अटल नियम हैं। शिव मृत्यु के भी स्वामी हैं। इसलिए वे हमें मृत्यु से भयभीत होने के बजाय उसे जीवन का स्वाभाविक सत्य स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं।

त्रिशूल : तीन प्रकार के तापों का नाशभगवान शिव का प्रमुख आयुध त्रिशूल है। इसके तीन फलक दैहिक, दैविक और भौतिक इन तीन प्रकार के तापों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दैहिक अर्थात शरीर और मन के कष्ट, दैविक अर्थात प्राकृतिक अथवा दैवी संकट तथा भौतिक अर्थात सांसारिक दुख। शिव का त्रिशूल इन सभी कष्टों के विनाश का प्रतीक है।

डमरू : सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीकभगवान शिव के हाथ में स्थित डमरू सृष्टि की आदिम ध्वनि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि डमरू के नाद से महेश्वर सूत्र प्रकट हुए, जिनसे संस्कृत व्याकरण की आधारशिला रखी गई। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि नवसृजन की भूमिका भी है। जब पुराना समाप्त होता है, तभी नए युग का आरंभ होता है। इसलिए डमरू परिवर्तन, सृजन और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है। व्याघ्रचर्म : शक्ति पर संयम का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर व्याघ्रचर्म धारण करते हैं। बाघ शक्ति, हिंसा और अहंकार का प्रतीक माना जाता है। शिव यह संदेश देते हैं कि शक्ति आवश्यक है, लेकिन उसका उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए होना चाहिए। स्वाभिमान मनुष्य का आभूषण है, परंतु अहंकार उसका सबसे बड़ा शत्रु।

भस्म : संसार की नश्वरता का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर भस्म धारण करते हैं। यह भस्म हमें याद दिलाती है कि शरीर, धन, वैभव और संसार की प्रत्येक वस्तु नश्वर है। एक दिन सब कुछ मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए मनुष्य को अहंकार त्यागकर सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए।

नंदी : धर्म, निष्ठा और समर्पण का प्रतीकभगवान शिव के वाहन नंदी केवल एक बैल नहीं हैं। धर्मशास्त्रों में वृषभ को धर्म का प्रतीक माना गया है। नंदी के चार पैर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चार पुरुषार्थों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव मंदिरों में नंदी सदैव शिवलिंग की ओर एकटक देखते हुए दिखाई देते हैं, जो अटूट श्रद्धा, समर्पण और एकाग्रता का सर्वोच्च उदाहरण है। शिव का संपूर्ण स्वरूप क्या सिखाता है ?भगवान शिव का पूरा स्वरूप संतुलन का संदेश देता है। वे योगी भी हैं और आदर्श गृहस्थ भी। वे संहारक भी हैं और कल्याणकारी भी। वे वैराग्य के प्रतीक भी हैं और परिवार के संरक्षक भी। उनकी जटाएं संयम सिखाती हैं, चंद्रमा मन की शीतलता का संदेश देता है, तीसरा नेत्र विवेक का प्रतीक है, सर्प भय पर विजय का, त्रिशूल कष्टों के विनाश का, डमरू सृजन का, व्याघ्रचर्म अहंकार पर नियंत्रण का, भस्म नश्वरता का और नंदी धर्म के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।

जिसने परमात्मा का साक्षात अनुभव कर लिया, वह उस दिव्य अनुभूति को शब्दों में व्यक्त करने में स्वयं को असमर्थ पाता है। इसलिए ऋषि-मुनियों ने ईश्वर के स्वरूप को प्रतीकों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। भगवान शिव का प्रत्येक प्रतीक जीवन-दर्शन का एक अध्याय है।

अंशुमन हुड्डा की घातक गेंदबाजी, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 4 विकेट से हराया

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के दूसरे मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 4 विकेट से पराजित कर दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अंशुमन हुड्डा की घातक गेंदबाजी और अनमोल शर्मा की तेजतर्रार अर्धशतकीय पारी जीत की सबसे बड़ी वजह बनी। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 18.1 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज अंशुमन हुड्डा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 24 रन देकर 5 विकेट झटके। उन्होंने डेथ ओवरों में दीपक पुनिया, सिमरजीत सिंह, सूर्यांश रैना, मयंक रावत और ध्रुव कौशिक को आउट कर विपक्षी टीम की पारी को बिखेर दिया। ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से अर्पित राणा ने 39 गेंदों पर 66 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

काव्य गुप्ता ने 22 गेंदों पर 37 रन बनाए, जबकि ध्रुव कौशिक ने 20 रन का योगदान दिया। एक समय टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन हुड्डा की धारदार गेंदबाजी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। साउथ दिल्ली की ओर से आयुष बदोनी ने दो विकेट, जबकि अमन भारती और अंकित डबास ने एक-एक विकेट लिया। 166 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की शुरूआत अच्छी नहीं रही, लेकिन अनमोल शर्मा ने 36 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को संभाल लिया।

उन्होंने आठ चौके और दो छक्के लगाए। प्रणव पंत ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि कप्तान आयुष बदोनी ने सिर्फ 11 गेंदों पर 23 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ईस्ट दिल्ली राइडर्स की ओर से आशीष मीणा (2/24) और रौनक वाघेला (2/54) ने वापसी की कोशिश की, लेकिन करण गर्ग ने नाबाद 27 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। प्रांशु विजयरण ने 17 रन और अंकित डबास ने नाबाद 6 रन का योगदान दिया। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 18.1 ओवर में 6 विकेट पर 169 रन बनाकर 11 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। अंशुमन हुड्डा को उनकी शानदार पांच विकेट की गेंदबाजी के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

डेनियल वेलिंगटन ने शर्वरी को बनाया अपना नया ब्रांड एंबेसेडर

मुंबई। स्वीडिश वॉच ब्रांड डेनियल वेलिंगटन ने बॉलीवुड की उभरती स्टार शर्वरी को अपनी घड़ियों का ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। यह साझेदारी स्टाइल में विविधता लाने और क्लासिक व सदाबहार डिजाइन बनाने के साझा विजन का जश्न मनाती है। इस घोषणा के अवसर पर, डेनियल वेलिंगटन ने मुंबई में एक खास लॉन्च इवेंट आयोजित किया, जिसमें मीडिया, बड़े इन्फ्लुएंसर्स और वॉच रिटेलर्स शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में फैशन एडिटर्स, क्रिएटर्स, रिटेल पार्टनर्स और इंडस्ट्री लीडर्स ने एक साथ आकर भारत में डेनियल वेलिंगटन के इस नए सफर की शुरूआत का जश्न मनाया। शर्वरी भारतीय युवाओं की नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैः वे आत्मविश्वास से भरी, युवा और मॉडर्न हैं। उनके ये गुण डेनियल वेलिंगटन की सिंपल और सदाबहार डिजाइन सोच से पूरी तरह मेल खाते हैं। ट्रेंड सेट करने के साथ-साथ सदाबहार स्टाइल को अपनाने की उनकी क्षमता उन्हें इस ब्रांड के लिए बिल्कुल सही पसंद बनाती है। अपने सिंपल और आकर्षक स्कैंडिनेवियन डिजाइन के लिए मशहूर, डेनियल वेलिंगटन ने घड़ियों की दुनिया को एक नया और आधुनिक रूप दिया है। सदाबहार कारीगरी और आधुनिक स्टाइल का मेल, ब्रांड को ऐसी घड़ियाँ बनाने में मदद करता है जो हर मौके और हर लुक पर जंचती हैं। टाइमेक्स ग्रुप द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद, डेनियल वेलिंगटन भारत के बाजार में अपनी बढ़त के एक नए चरण में कदम रख रहा है। यह साझेदारी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने के साथ-साथ हर किसी की अपनी पहचान और बेहतरीन डिजाइन को बढ़ावा देने की ब्रांड की कोशिश को दशार्ती है।

टाइमेक्स ग्रुप के दीपक छाबड़ा ने कहा, ₹हम शर्वरी का डेनियल वेलिंगटन परिवार में स्वागत करते हुए बहुत प्रसन्न हैं। डेनियल वेलिंगटन के लिए भारत एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार बनता जा रहा है। जैसे-जैसे हम यहाँ ब्रांड का विस्तार कर रहे हैं, हम एक ऐसा ब्रांड एंबेसडर चाहते थे जो आज के ग्राहकों के आत्मविश्वास और उनकी पहचान को दर्शा सके। शर्वरी में एक अलग ही सच्चाई और सादगी है, जो डेनियल वेलिंगटन की डिजाइन सोच से पूरी तरह मेल खाती है। हम सिर्फ विज्ञापनों के जरिए ही नहीं, बल्कि लोगों के रोजाना के स्टाइल का हिस्सा बनकर इस ब्रांड को साथ मिलकर आगे ले जाने के लिए उत्सुक हैं। इस साझेदारी पर बात करते हुए अभिनेत्री शर्वरी ने कहा, ₹मेरा हमेशा से मानना रहा है कि बेहतरीन स्टाइल का मतलब दिखावा करना नहीं होता। अक्सर छोटी-छोटी चीजें ही आपके लुक को पूरा करती हैं, और यही बात मुझे डेनियल वेलिंगटन के बारे में सबसे ज्यादा पसंद है। इस ब्रांड का स्टाइल बहुत ही आसान, आधुनिक और अपने हिसाब से अपनाने लायक है, इसीलिए यह साझेदारी मुझे बहुत स्वाभाविक लगती है।

यह एक ऐसा ब्रांड है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूँ, और मैं साथ मिलकर कुछ यादगार लम्हें बनाने के लिए तैयार हूँ। शर्वरी के जुड़ने से, डेनियल वेलिंगटन भारत में लोगों के बीच अपनी जगह और मजबूत कर रहा है, साथ ही नई पीढ़ी को सदाबहार, रोजाना पहनने वाले स्टाइल को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

AI से छेड़छाड़ कर फिल्म जुगनी के गाने को बदनाम करने की साजिश

गायक सोनू ठुकराल ने साइबर क्राइम में की शिकायत

लोकप्रिय गायक का नया गाना जुगनी इन दिनों दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर रहा है और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, इस सफलता के बीच गाने को लेकर एक विवाद भी खड़ा हो गया है, जिसने गायक को मानसिक रूप से आहत कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, जुगनी गाने में फिल्मांकन के दौरान अभिनेत्री के एक दृश्य में तकनीकी त्रुटि के कारण एक गलत कैमरा एंगल का शॉट शामिल हो गया था। इस गाने में अभिनेत्री डांस करते वक्त एक सीन में ब्लाउज के अंदर का दृश्य नजर आ रही हैं। गाने के रिलीज के बाद कुछ शरारती तत्वों ने इस छोटे से दृश्य को मुद्दा बनाते हुए अक तकनीक का इस्तेमाल कर उसे एडिट और मॉर्फ करके सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक तरीके से फैलाना शुरू कर दिया। इन लोगों ने गाने के उस हिस्से को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और गायक सोनू ठुकराल व अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज पर अश्लीलता फैलाने के आरोप लगाने लगे। बढ़ते विवाद और गलतफहमियों को देखते हुए सोनू ठुकराल ने कड़ा कदम उठाते हुए लगभग 15 मिलियन व्यूज हासिल कर चुके इस गाने को अपने आधिकारिक चैनल से हटा दिया।

इसके बाद गाने के विवादित सीन को एडिट कर दोबारा रिलीज किया गया, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग लगातार अकके जरिए गाने को गलत रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री फैला रहे हैं।

इस मामले में गायक सोनू ठुकराल ने साइबर क्राइम सेल में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर उनके गाने की छवि खराब करने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

सोनू ठुकराल ने अपील की है कि दर्शक ऐसे भ्रामक और एडिटेड वीडियो पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मूल गाने को ही देखें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि साइबर क्राइम विभाग इस मामले में जल्द कार्रवाई करेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। विवादों के बावजूद जुगनी गाना अब भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है और नए वर्जन के साथ भी लगातार ट्रेंड कर रहा है।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

शब्दवाणी समाचार

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	2.73 प्रतिशत
एटरनल	2.72 प्रतिशत
इंफोसिस	2.26 प्रतिशत
आईटीसी	1.52 प्रतिशत
इंडिगो	1.17 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,750
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,35,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.61	93.54
पौंड स्टर्लिंग	130.20	125.60
यूरो	111.57	107.40
चीन युआन	15.03	13.30

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

जुलाई में फॉरेक्स स्वैप के तहत जुटाए गए 40.82 अरब डॉलर के विदेशी निवेश : आरबीआई

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने के लिए शुरू की गई रियायती स्वैप सुविधा को मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। केंद्रीय बैंक की ओर से शनिवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई 2026 तक इस योजना के तहत 40.82 अरब डॉलर का कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह (फॉरेक्स इनफ्लो) दर्ज किया गया है,

■ **एफसीएनआर(बी) जमा का सबसे बड़ा योगदान**

जिसमें सबसे बड़ा योगदान फॉरेन करेंसी नॉन-रेसीडेंट (बैंक) यानी एफसीएनआर(बी) जमा का रहा है।

आरबीआई ने एक प्रेस नोट में बताया कि यह विशेष स्वैप सुविधा विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) को मजबूत करने और देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। रिजर्व बैंक ने 5 जून 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि वह एफसीएनआर(बी) जमा, ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग्स

यह विशेष स्वैप सुविधा विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने और देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी : आरबीआई

(ओएफसीबी) और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग्स (ईसीबी) के जरिए बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा जुटाने की योजना लागू करेगा। यह सुविधा 8 जून 2026 से प्रभावी हुई थी।

अधिकृत डीलर बैंकों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत अब तक जुटाई गई कुल राशि में 36.73 अरब डॉलर केवल एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से आए हैं, जो कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग्स (ओएफसीबी) के जरिए 2.58 अरब डॉलर और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग्स (ईसीबी) के माध्यम से 1.52 अरब डॉलर का निवेश प्राप्त हुआ। इस तरह 31 जुलाई तक कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़कर 40.82 अरब डॉलर पहुंच गया।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि नई एफसीएनआर(बी) जमा के लिए रियायती स्वैप सुविधा 30 सितंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने की संभावना

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च की शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगस्त 2026 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले दो तिमाहियों तक खुदरा महंगाई (सीपीआई) 5 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (क्यू1) में देश की आर्थिक वृद्धि 7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। ऐसे में आरबीआई के लिए फिलहाल ब्याज दरों को स्थिर रखना अधिक उपयुक्त होगा। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई के दौरान 35 अरब डॉलर की पूंजी आमद (कैपिटल इनफ्लो) हुई, जिससे 24 जुलाई तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 12.5 अरब डॉलर बढ़ गया। साथ ही, जून के अंत तक तीन महीने तक की अवधि वाले फॉरवर्ड पोजीशन में 13 अरब डॉलर की कमी आई, जिससे विदेशी मुद्रा बाजार में दबाव कम हुआ। एसबीआई रिसर्च का मानना है कि इन परिस्थितियों को देखते हुए आरबीआई की एमपीसी ब्याज दरों पर यथास्थिति बनाए रख सकती है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह को लेकर अनिश्चितता के कारण केंद्रीय बैंक की ओर से अत्यधिक नरमरुख अपनाने की संभावना कम है।

■ **पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद**

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन 15.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में आर्थिक गतिविधियों और खपत में मजबूती के बीच जुलाई 2026 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 2.11 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले 14 महीनों की सबसे तेज वृद्धि है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में यह दूसरा अवसर है, जब मासिक जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया है।

आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू जीएसटी राजस्व जुलाई में 10.1 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 1.31 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, आयात पर जीएसटी संग्रह में जोरदार 28.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 66,511 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसी के चलते जुलाई का

■ **14 महीनों की सबसे तेज बढ़ोतरी**

कुल सकल जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। सरकार के अनुसार, जुलाई के दौरान जीएसटी रिफंड भी 13.1 प्रतिशत बढ़कर 29,968 करोड़ रुपए हो गया।

रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध (नेट) जीएसटी राजस्व 1.81 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जुलाई 2025 की तुलना में 15.8 प्रतिशत अधिक है। मासिक जीएसटी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू शुद्ध राजस्व 10.5 प्रतिशत बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि सीमा शुल्क (कस्टम) से मिलने वाला शुद्ध जीएसटी राजस्व 30.3 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी के साथ 54,223 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों की वित्तीय स्थिति मजबूत करने और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि जारी की। यह राशि 10 अगस्त को जारी होने वाले नियमित मासिक कर हस्तांतरण से अलग है। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि 1 अगस्त को यह अतिरिक्त राशि जारी करना राज्यों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने और उन्हें विकास परियोजनाओं तथा पूंजीगत निवेश में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

इस अतिरिक्त कर हस्तांतरण में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़

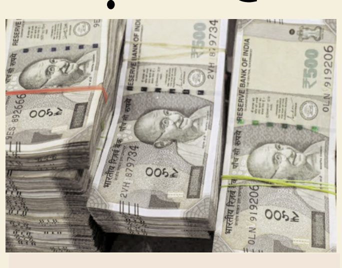

■ **पूंजीगत खर्च व विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार**

रुपए मिले हैं। इसके बाद बिहार को 10,845 करोड़ रुपए, मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़ रुपए, पश्चिम बंगाल को 7,866 करोड़ रुपए, महाराष्ट्र को 7,022 करोड़ रुपए और राजस्थान को 6,460 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, ओडिशा को 4,819 करोड़ रुपए दिए गए।

बाजार के लिए जुलाई रहा काफी अच्छा

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना काफी अच्छा रहा है। इस दौरान दोनों मुख्य सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी ने 2 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। आखिरी कारोबार सत्र में सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत बढ़कर 78,094.64 और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,383.60 पर बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन भी मजबूत रहा है। जुलाई में निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 2.53 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1.81 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जुलाई में जिन प्रमुख शेयरों की मार्केट वैल्यू में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आई, उनमें डॉ. रेड्डीज

लैबोरेटरीज, बंधन बैंक, थर्मैक्स, तेजस नेटवर्क्स, सुजलॉन एनर्जी, जीई वर्नोवा टीएंडडी इंडिया, सीमेंस एनर्जी इंडिया और गुजरात एनर्जी शामिल थे।

वहीं, जुलाई में कल्याण ज्वैलर्स इंडिया के शेयर की कीमत में 60 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया। ई-क्लार्क्स सर्विसेज, सीई इन्फो सिस्टम्स, लोढ़ा डेवलपर्स, एचईजी, इन्फो एज (इंडिया), एटीएम, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयरों में करीब 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। सूचकांकों में जुलाई में निफ्टी

■ **सेंसेक्स व निफ्टी ने 2 प्रतिशत से अधिक का दिया रिटर्न**

आईटी 16.77 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर था।

दूसरी तरफ, निफ्टी एनर्जी (2.54 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.98 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (1.48 प्रतिशत), और निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.46 प्रतिशत) की गिरावट के साथ सूचकांकों टॉप लूजर्स थे।

जानकारों का मानना है कि कुछ खास शेयरों के बेहतर प्रदर्शन की वजह पहली तिमाही के नतीजे और ग्लोबल एआई-ट्रेड में बिकवाली के बावजूद आईटी सेक्टर में फिर से खरीदारी रही। आईटी सेक्टर का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा क्योंकि जुलाई निवेशकों ने लगातार इस सेक्टर की ओर रुख किया।

सार संक्षेप

एयर इंडिया मुंबई से टोरंटो के लिए शुरू करेगी सीधी उड़ान

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने इस साल विंटर शिड्यूल में कनाडा के लिए नयी उड़ानों की घोषणा की। कंपनी ने शनिवार को बताया कि वह विंटर शिड्यूल में मुंबई और टोरंटो के बीच नयी नॉन स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। इसके साथ ही उसने दिल्ली टोरंटो मार्ग पर आज से बिल्कुल नयी बोइंग 787-9 (बी787-9) विमान का परिचालन शुरू किया। इसके साथ, पहली बार कनाडा के यात्रियों को एयर इंडिया का नया केबिन डिजाइन और आधुनिक अनुभव मिलेगा। इन दोनों घोषणाओं से भारत और कनाडा के बीच हर महीने लगभग 4,400 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही टोरंटो के लिए प्रीमियम सीटों की क्षमता में 71 प्रतिशत की वृद्धि होगी। एयरलाइंस ने बताया कि मुंबई से टोरंटों के लिए नयी उड़ान 25 अक्टूबर 2026 से 26 मार्च 2027 तक सप्ताह में तीन दिन उपलब्ध होगी। एयर इंडिया इन दोनों शहरों के बीच सीधी उड़ान संचालित करने वाली एकमात्र एयरलाइन होगी।

जुलाई में यूपीआई ट्रांजैक्शन में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए किए गए ट्रांजैक्शन्स की संख्या सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 23.66 अरब हो गई। वहीं, इन ट्रांजैक्शनों का कुल मूल्य 19 प्रतिशत बढ़कर 29.88 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई के दौरान प्रतिदिन औसतन 76.3 करोड़ (763 मिलियन) यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए। वहीं, प्रतिदिन औसतन 96,383 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए। इससे पहले, जून 2026 में यूपीआई के जरिए 22.72 अरब ट्रांजैक्शन हुए थे, जो सालाना आधार पर 23 प्रतिशत अधिक थे। जून में इनका कुल मूल्य 20 प्रतिशत बढ़कर 28.92 लाख करोड़ रुपए रहा था।

जुलाई में ऑटो कंपनियों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली। भारत के यात्री वाहन उद्योग ने जुलाई में मजबूत प्रदर्शन किया। प्रमुख ऑटो कंपनियों ने सालाना आधार पर बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की, जिसकी मुख्य वजह स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की लगातार मजबूत मांग, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में तेज उछाल और निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी रही। हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) ने जुलाई में स्थापना के बाद से अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री दर्ज की। कंपनी ने कुल 75,360 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25.4 प्रतिशत अधिक है। घरेलू बिक्री 23.3 प्रतिशत बढ़कर 54,210 यूनिट रही, जो जुलाई महीने का अब तक का सर्वोच्च प्रदर्शन है। वहीं, निर्यात 31.4 प्रतिशत बढ़कर 21,150 यूनिट पहुंच गया।

'समुद्र मंथन' योजना से तेल व गैस के आयात पर घटेगी : सरकार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार की नई 'समुद्र मंथन' योजना भारत को लंबे समय में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। मंत्रालय ने कहा कि बेहतर भू-वैज्ञानिक डेटा, जोखिम साझा करने की व्यवस्था, साझा बुनियादी ढांचे और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के जरिए यह योजना देश में गहरे समुद्री (डीपवॉटर) तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगी, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

मंत्रालय के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है और देश का सालाना तेल आयात बिल करीब 144 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) है। हाल के वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षित और निर्बाध उपलब्धता रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा मांग लगातार बढ़ने की संभावना है। ऐसे में घरेलू स्तर पर तेल और गैस उत्पादन बढ़ाना आयात पर निर्भरता कम

करने, ऊर्जा क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय (ऑफशोर) अन्वेषण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के लिए 84,084 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इसे वित्त वर्ष 2030-31 तक लागू किया जाएगा। सरकार के अनुसार यह अब तक का भारत का सबसे महत्वाकांक्षी ऑफशोर तेल एवं गैस अन्वेषण मिशन है।

मंत्रालय ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में किए गए व्यापक सुधारों का अगला चरण है, जिसका उद्देश्य नीतिगत सुधारों को जमीन पर उतारते हुए भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति देना है।

सरकार ने 2014 के बाद से हाइड्रोकार्बन

■ **दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है भारत**

■ **भविष्य में भारत की ऊर्जा मांग लगातार बढ़ने की संभावना**

अन्वेषण एवं उत्पादन क्षेत्र में कई बड़े संरचनात्मक सुधार किए हैं, जिनमें पहले प्रतिबंधित माने जाने वाले 99 प्रतिशत से अधिक 'नो-गो' क्षेत्रों को खोल दिया गया है, जिससे पहली बार भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के 10 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल और गैस की खोज का रास्ता साफ हुआ है। इसके अलावा, सरकार ने प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (पीएससी) व्यवस्था की जगह रेवेन्यू शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (आरएससी) लागू किया है, जिससे कर एवं राजस्व ढांचा अधिक सरल, पारदर्शी और प्रशासनिक हस्तक्षेप से मुक्त हुआ है। ऑयलफील्ड्स (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) संशोधन अधिनियम, 2025 के जरिए इस क्षेत्र के कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाया गया है। नए कानून में अनुबंधों की स्थिरता, एकीकृत पेट्रोलियम संचालन की मान्यता, विवाद निपटान व्यवस्था को मजबूत करने और आधुनिक नियामकीय ढांचा तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया है।

दानापुर-फतुहा रेलखंड में बिछायी जाएंगी अतिरिक्त लाइनें

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। रेलवे ने पूर्वी मध्य रेलवे के दानापुर-फतुहा रेलखंड में मल्टी-ट्रैकिंग (अतिरिक्त नयी रेल लाइनें बिछाना) के लिए 976 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी प्रदान की है। रेलवे ने शनिवार को बताया कि उन्नतीस किलोमीटर लंबे इस रेलखंड के लिए मंजूर की गई इस परियोजना का उद्देश्य बिहार में पटना रेल गलियारे के सबसे व्यस्त हिस्सों में से एक पर भीड़ कम करना और यात्री तथा माल ढुलाई सेवाओं में भारी बढ़ोतरी के लिए जगह बनाएगा।

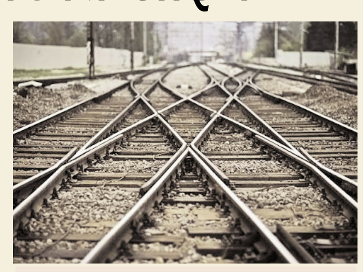

■ **रेलवे ने 976 करोड़ की मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को दी मंजूरी**

रेलवे ने पांच ग्रुप 'ए' अधिकारियों की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के रेलवे बोर्ड की समीक्षा समितियों ने भारतीय रेलवे स्थापना संहिता, खंड II के नियम 1802(ए) के तहत जनहित में पांच ग्रुप 'ए' अधिकारियों की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है, जो मौलिक नियमों के नियम 56(जे) के समतुल्य है।

समीक्षा समितियों ने उत्तरी रेलवे में आईआरएचएस के दो एसएजी अधिकारियों, आईआरएसई के एक जेएजी अधिकारी, उत्तरी रेलवे में आईआरएसई के एक अधिकारी और पश्चिमी रेलवे में आईआरटीएस के एक जेएजी अधिकारी की समय से पहले सेवानिवृत्ति की सिफारिश की है। समीक्षा समितियों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकारियों के सेवा रिकॉर्ड का विस्तृत मूल्यांकन किया।

हफ्ते भर में सोने-चांदी का रेट गिरा

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के कारण सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) के रूप में सोने की मांग पर दबाव बना रहा, जिससे इस सप्ताह सोने की कीमतों में 1.16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि सितंबर डिलीवरी वाली चांदी वायदा 1.13 प्रतिशत गिर गई। कारोबार के दौरान सोना वायदा 1,41,599 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी वायदा 2,17,488 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती नजर आई।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को 999 प्यूरिटी वाले सोने के 10 ग्राम का भाव 1,42,860 रुपए रहा, जो सोमवार को बाजार खुलने के समय 1,44,532 रुपए था। यानी हफ्ते भर के दौरान सोने की कीमतों में 1,672 रुपए यानी 1.15 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

वहीं सिल्वर की बात करें, तो आईबीजेए के मुताबिक, बीते शुक्रवार को 999 प्यूरिटी वाली चांदी का रेट 2,18,295 रुपए प्रति किलोग्राम था, जो सोमवार को बाजार खुलने के समय 2,24,771 रुपए था। यानी एक हफ्ते में चांदी का भाव 6,476 रुपए यानी 2.88 प्रतिशत गिर गया।

सप्ताह भर सोना और चांदी दोनों में उतार-चढ़ाव बना रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किए जाने के बाद सोने में करीब 2 प्रतिशत की तेजी आई थी। इसके बाद सप्ताह के अंत में डॉलर कमजोर पड़ने से गुरुवार तक सोने ने अपनी बढ़त को और बढ़ाया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी अपेक्षाकृत सीमित दायरे में कारोबार करती रही, जबकि निवेशक फेडरल रिजर्व की आगे की मौद्रिक नीति और नए वैश्विक आर्थिक संकेतों का इंतजार करते रहे।

पीएम-वीबीआरवाई के पहले साल में 72 लाख लोगों को मिला औपचारिक रोजगार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) लागू होने के पहले ही वर्ष में 72 लाख से अधिक पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारी औपचारिक कार्यबल (फॉर्मल वर्कफोर्स) से जुड़े हैं। सरकार ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह योजना सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ नियोक्ताओं को नए रोजगार सृजित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है।

सरकार के अनुसार, योजना के लाभार्थियों में करीब 30 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि 15 लाख से अधिक लोगों को रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन राशि पहले ही मिल चुकी है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में पंजीकरण और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के साथ रोजगार को जोड़कर पीएम-वीबीआरवाई देश के संगठित श्रम बाजार को मजबूत बना रही है और अधिक सुरक्षित

कार्यबल तैयार करने में मदद कर रही है। पारदर्शी और ईपीएफओ द्वारा संचालित इस व्यवस्था के जरिए कार्यबल के औपचारिककरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों के लिए नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं। यह योजना अगस्त 2025 में घोषित की गई थी और 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक लागू रहेगी। इसके लिए सरकार ने 99,446 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। योजना का लक्ष्य 3.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है, जिनमें 1.92 करोड़

■ **योजना के लाभार्थियों में करीब 30 प्रतिशत महिलाएं शामिल**

पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारी शामिल हैं। यह योजना युवाओं को ईपीएफओ पंजीकरण के माध्यम से संगठित क्षेत्र में रोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। साथ ही, विशेष रूप से श्रम-प्रधान विनिर्माण क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने का भी उद्देश्य रखती है। यह राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन के साथ मिलकर नए और विस्तार कर रहे उद्योगों में रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देती है। पीएम-वीबीआरवाई दो हिस्सों वाली प्रोत्साहन व्यवस्था पर आधारित है। इसके तहत प्रति माह 1 लाख रुपए तक वेतन पाने वाले पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को उनके एक महीने के ईपीएफ वेतन के बराबर, अधिकतम 15,000 रुपए तक का एकमुश्त प्रोत्साहन दिया जाता है।

मणिचक्र को एक्टिव करता है ये आसन, रक्त संचार को भी नियंत्रित करने में करता है मदद

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दफ्तर में घंटों कुर्सी पर बैठने से शरीर में अकड़न, कमर दर्द और पीठ दर्द होना आम है। इससे निजात पाने के लिए व्याघ्रासन एक सटीक, सरल और असरदार समाधान है। इसको करने से पेट कम होता है और शरीर में नई ऊर्जा आती है।

व्याघ्रासन को करने के दौरान शरीर की मुद्रा बाघ के समान होती है, जिस वजह से इसे टाइगर पोज भी कहा जाता है। यह मुद्रा ऊर्जा को नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण तरीके से प्रवाहित करने में भी सहायक है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, व्याघ्रासन (टाइगर पोज) रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाने, कमर दर्द व साइटिका से राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है।

व्याघ्रासन को करते समय पेट के अंगों पर पड़ने वाले हल्के दबाव से पाचन तंत्र सक्रिय होता है, जिससे गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भोजन का पाचन बेहतर होता है और भूख सही समय पर लगती है। व्याघ्रासन (टाइगर पोज) मणिपुर (सोलर प्लेक्सस चक्र) और स्वाधिष्ठान चक्र (सैक्रल चक्र) को उत्तेजित करता है। यह आसन आत्मविश्वास, आंतरिक शक्ति और सशक्तीकरण की भावना को बढ़ाता है। यह शरीर में रक्त संचार को बेहतर बनाता है। इस आसन से शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व अच्छी तरह पहुंचते हैं, जिससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं और थकान कम होती है। खासकर पैरों, हाथों और पीठ की मांसपेशियां व्याघ्रासन से मजबूत बनती हैं। बेहतर रक्त संचार से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और आप लंबे समय तक स्वस्थ बने रहते हैं। व्याघ्रासन करने के लिए योगा मैट पर घुटनों के बल बैठ जाएं और हथेलियों को जमीन पर टिका लें ताकि शरीर का भार हाथों और घुटनों पर आ जाए। अब गहरी सांस लें, सामने देखें और अपनी दाईं टांग को पीछे की ओर सीधा उठाएं। साथ ही, अपनी गर्दन को ऊपर की ओर खींचें। इसके बाद, सांस छोड़ते हुए उस दाईं टांग को मोड़कर अपनी छाती की तरफ लाएं और पीठ को ऊपर की ओर गोलाई में झुकाएं।

- **व्याघ्रासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत और लचीला बनाने, कमर दर्द व साइटिका से राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है**
- **व्याघ्रासन को करते समय पेट के अंगों पर पड़ने वाले हल्के दबाव से पाचन तंत्र सक्रिय होता है, जिससे गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है**

बच्चों की बातचीत का तरीका बताता है भविष्य में कैसा रहेगा उनका मानसिक स्वास्थ्य

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 9 से 13 साल की उम्र के 200 से ज्यादा बच्चों का अध्ययन किया

नए शोध में खुलासा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। क्या किसी बच्चे के बोलने के तरीके से यह पता लगाया जा सकता है कि भविष्य में उसे डिप्रेशन या एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं हो सकती हैं? सुनने में यह बात थोड़ी हैरान करने वाली लग सकती है, लेकिन एक नए शोध में कुछ ऐसा ही सामने आया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चे क्या बोलते हैं, उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वे कैसे बोलते हैं। यानी उनके शब्दों को जोड़ने का तरीका, वाक्य बनाने का अंदाज और बातचीत की शैली भविष्य में उनकी मानसिक सेहत के बारे में अहम संकेत देती है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मेंटल हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। इसमें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 9 से 13 साल की उम्र के 200 से ज्यादा बच्चों का अध्ययन किया। बच्चों से उनके जीवन में हुई तनावपूर्ण घटनाओं के बारे में लगभग डेढ़ घंटे तक बातचीत की गई। इन इंटरव्यू की रिकॉर्डिंग को बाद में चार नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग सिस्टम से विश्लेषित किया गया।

सभी मॉडल्स इस बात का काफी सटीक अनुमान लगाने में सफल रहे कि अगले छह सालों में किन बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित होने की संभावना है।

शोध के प्रमुख लेखक और स्टैनफोर्ड स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड साइंसेज में न्यूरोसाइंस के डॉक्टरेट स्टूडेंट चेस एंटोनैकी के अनुसार, यह अध्ययन इस बात का मजबूत प्रमाण है कि भविष्य में ऐसे आसान और बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जा सकने वाले उपकरण विकसित किए जा सकते हैं, जो बीमारी सामने आने से पहले ही जोखिम वाले बच्चों की पहचान कर सकें। शोधकर्ताओं ने पाया कि बच्चों की बातचीत का स्टाइल, यानी वे 'और', 'लेकिन', 'से', 'तक' जैसे छोटे-छोटे जोड़ने वाले शब्दों का कितना और कैसे इस्तेमाल करते हैं, यह उनके मानसिक स्वास्थ्य का ज्यादा सटीक संकेत देता है। वहीं उन्होंने किस घटना का जिक्र किया, यह अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण साबित हुआ। किशोरावस्था के समय डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी समस्याएं अक्सर शुरू होती हैं। एक बार ये बीमारियां विकसित हो जाएं तो उनका इलाज आसान नहीं होता। ऐसे में अगर पहले ही यह पता चल जाए कि कौन-सा बच्चा जोखिम में है, तो समय रहते उसकी काउंसलिंग और मदद की जा सकती है। अब तक बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य के खतरे का आकलन करने के लिए डॉक्टरों की जांच, तनाव वाले हार्मोन कॉर्टिसोल की जांच, शरीर की तनाव प्रतिक्रिया या अन्य वैज्ञानिक परीक्षणों का सहारा लिया जाता था। लेकिन ये तरीके महंगे, समय लेने वाले और बड़े स्तर पर लागू करना मुश्किल हैं। इसके मुकाबले बातचीत का विश्लेषण करना कहीं ज्यादा आसान, सस्ता और व्यावहारिक तरीका हो सकता है।

यह अध्ययन स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में कई वर्षों से चल रही एक दीर्घकालिक रिसर्च का हिस्सा है। इसमें बच्चों के जीवन, पारिवारिक माहौल और तनावपूर्ण अनुभवों का लगातार अध्ययन किया जा रहा है। पहले विशेषज्ञ बच्चों के इंटरव्यू सुनकर उनके तनाव का एक अंक तय कर देते थे, लेकिन शोधकर्ताओं को लगा कि इससे बातचीत की कई महत्वपूर्ण बारीकियां नजरअंदाज हो जाती हैं। शोध में यह भी सामने आया कि जिन बच्चों ने बातचीत के दौरान गंभीर शारीरिक हिंसा, मारपीट, गला दबाने जैसी घटनाओं या सामाजिक रूप से अलग-थलग किए जाने की बात कही, उनमें भविष्य में मानसिक समस्याओं का खतरा अधिक था।

शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी इस तकनीक को और बड़े स्तर पर परखने की जरूरत है। अगर आगे भी ऐसे ही नतीजे मिलते हैं, तो भविष्य में केवल स्मार्टफोन पर रिकॉर्ड की गई बच्चों की सामान्य बातचीत का विश्लेषण करके यह पता लगाया जा सकेगा कि कौन-सा बच्चा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिम में है। इससे समय रहते सही सलाह, काउंसलिंग और उपचार शुरू किया जा सकेगा।

'इश्कनामा' को मिले प्यार पर भावुक हुईं शहनाज गिल प्रशंसकों का जताया आभार

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री शहनाज गिल ने अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'इश्कनामा' को मिल रहे दर्शकों के अपार प्यार और उसमें निभाए गए नसीमा के किरदार की सराहना के लिए प्रशंसकों का दिल से आभार व्यक्त किया है। फिल्म की रिलीज़ के बाद शहनाज़ इन दिनों दर्शकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाओं से अभिभूत हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। उनकी सादगी, भावनात्मक अभिनय और दमदार प्रस्तुति की हर ओर सराहना हो रही है।

शहनाज़ ने अपने प्रशंसकों के लिए साझा किए गए संदेश में कहा, 'थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने 'इश्कनामा' और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है, उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच।'

'थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने 'इश्कनामा' और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है, उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है: शहनाज गिल

उन्होंने कहा कि नसीमा के किरदार को दर्शकों से मिला प्यार उनके लिए बेहद खास है। कई लोगों का मानना है कि 'इश्कनामा' में उन्होंने अपने करियर का सबसे भावनात्मक और प्रभावशाली अभिनय किया है। फिल्म में उनका किरदार दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ रहा है। 'इश्कनामा' लगातार दर्शकों का प्यार बटोर रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन सभी प्रशंसकों के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने फिल्म और उनके किरदार को भरपूर स्नेह दिया है।

सावन में हरी चूड़ियां ही क्यों मानी जाती हैं शुभ? जानिए धार्मिक महत्व

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सावन आते ही बाजारों में हरी चूड़ियों, हरी साड़ियों और मेहंदी की रौनक भी बढ़ जाती है। सुहागिन महिलाओं की भीड़ ऐसे स्टॉल पर सबसे ज्यादा दिखती है। दुकानदार भी खास 'सावन कलेक्शन' सजाते हैं। महिलाओं की हरे रंग के प्रति यह रुचि धार्मिक मान्यता से जुड़ी हुई है।

दरअसल, सावन का महीना बारिश और हरियाली का प्रतीक माना जाता है। बरसात के साथ ही सूखी धरती हरी चादर ओढ़ लेती है और चारों तरफ नई ऊर्जा और जीवन का एहसास होता है। इसी वजह से हरा रंग समृद्धि, खुशहाली, उन्नति और नई शुरुआत का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में हरे रंग का उपयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव का प्रकृति से गहरा संबंध माना जाता है। उनकी पूजा में बेलपत्र, धतूरा, भांग और अन्य हरी वस्तुएं अर्पित की जाती हैं। वहीं माता पार्वती को सौभाग्य और सुहाग की देवी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो महिलाएं सावन में हरी चूड़ियां पहनकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य, सुखी वैवाहिक जीवन और परिवार में खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है।

हरा रंग समृद्धि, खुशहाली, उन्नति और नई शुरुआत का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में हरे रंग का उपयोग करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

सावन के दौरान हरियाली तीज जैसे प्रमुख त्योहार भी मनाए जाते हैं। इस दिन महिलाएं हरे रंग के वस्त्र पहनती हैं, हाथों में मेहंदी रचाती हैं और हरी चूड़ियों से श्रृंगार करती हैं। माना जाता है कि यह श्रृंगार माता पार्वती को प्रिय है और इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और मधुरता बनी रहती है।

रणवीर सिंह को 'धुरंधर' में लेने का फैसला सही था : ज्योति देशपांडे

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म 'धुरंधर' की सह-निर्माता ज्योति देशपांडे का कहना है कि अभिनेता रणवीर सिंह को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुनने का फैसला बिल्कुल सही साबित हुआ, क्योंकि वह हर किरदार में पूरी तरह ढल जाने की क्षमता रखते हैं। ज्योति देशपांडे ने रणवीर सिंह के साथ अपने लंबे पेशेवर अनुभव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उनके साथ 'राम-लीला' और 'बाजीराव मस्तानी' में काम किया है। रणवीर उन अभिनेताओं में हैं जो अपने किरदार को पूरी शिद्दत से जीते हैं और हर फिल्म में अलग नजर आते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैंने रणवीर के साथ 'राम-लीला' और 'बाजीराव मस्तानी' में काम किया है, जब वह आज वाले रणवीर नहीं थे। मुझे लगता है कि वह कमाल के अभिनेता हैं, जो अपना सब कुछ दे देते हैं। वह किरदार में पूरी तरह बदल जाते हैं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। हर फिल्म में वह रणवीर सिंह नहीं लगते। जब उन्हें बाजीराव बनना होता है तो वह बाजीराव बन जाते हैं, जब उन्हें खिलजी बनना होता है तो वह खिलजी बन जाते हैं और जब उन्हें गली बॉय बनना होता है तो वह पूरी तरह गली बॉय बन जाते हैं। वह खुद का किरदार नहीं निभाते, बल्कि उस किरदार में ढल जाते हैं। आदित्य और मुझे दोनों को लगा कि इस फिल्म के लिए रणवीर सबसे सही चुनाव होंगे।'

लॉकअप 2: पामेला सेरेना से झगड़े के बाद राम कपूर ने मांगी माफी

बोले-मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा ये देखे

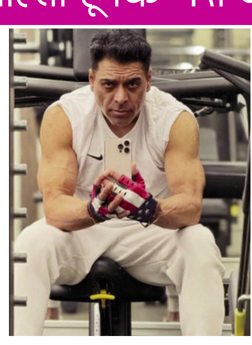

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेता राम कपूर इन दिनों वेब रियलिटी शो लॉकअप के दूसरे सीजन में नजर आ रहे हैं। हालिया एपिसोड में देखा गया कि राम ने कंटेस्टेंट पामेला सेरेना से तीखी बहस के बाद उनसे माफी मांगी।

दरअसल, शो के दौरान राम कपूर और पामेला सेरेना का झगड़ा हुआ था। उस समय पामेला सेरेना राम कपूर से डर गई थीं और उन्हें असहज महसूस हुआ था, हालांकि झगड़े के बाद राम कपूर ने भी माना कि उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनका यह व्यवहार इतना डरावना और गुस्सा कर देने वाला लगेगा।

अपने इस तरह के बरताव पर अफसोस जताते हुए राम कपूर ने पामेला सेरेना के पास जाकर कहा, 'मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है, बस मुझे माफ कर देना। इसकी खास वजह मेरा बेटा है। वह भी यह शो देख रहा होगा। अगर उसने अपने पिता को किसी महिला से ऐसे गुस्से से बात करते देखा तो मैं चाहता हूं कि वो ये भी देखे कि उसके पिता ने माफी भी मांगी।'

कॉफी का सहारा, मीठे की चाह और बेवजह गुस्सा, कहीं कम नींद तो नहीं इसकी वजह?

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर नींद पूरी नहीं हो पाती। शुरुआत में इसका असर सिर्फ थकान के रूप में दिखाई देता है लेकिन धीरे-धीरे शरीर कई ऐसे संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कई बार हमें लगता है कि बार-बार चाय या कॉफी की जरूरत, बिना वजह गुस्सा आना या मीठा खाने का मन करना सामान्य बात है लेकिन ये शरीर के ऐसे संकेत हो सकते हैं, जो बता रहे हों कि उसे आराम की जरूरत है।

दरअसल, नींद केवल शरीर को आराम देने का समय नहीं है बल्कि इस दौरान शरीर खुद को ठीक करने, ऊर्जा वापस लाने और दिमाग को व्यवस्थित करने का काम करता है। जब नींद पूरी नहीं होती तो इसका असर हमारी सोच, मूड, भूख और रोगों से लड़ने की क्षमता पर भी पड़ सकता है।

कैफीन कुछ समय के लिए दिमाग को सक्रिय महसूस करा देती है, जिससे नींद और थकान का एहसास कम होता है लेकिन यह शरीर को वह आराम नहीं दे सकती, जो अच्छी नींद से मिलता है।

अगर सुबह उठते ही या दिनभर काम करने के लिए बार-बार चाय या कॉफी का सहारा लेना पड़ता है, तो यह कम नींद का संकेत हो सकता है। कैफीन कुछ समय के लिए दिमाग को सक्रिय महसूस करा देती है, जिससे नींद और थकान का एहसास कम होता है लेकिन यह शरीर को वह आराम नहीं दे सकती, जो अच्छी नींद से मिलता है।

कई लोगों को नींद पूरी न होने पर अचानक मीठी चीजें, फास्ट फूड या ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाने की इच्छा होने लगती है। इसकी वजह शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव होते हैं। वहीं, कम नींद के कारण भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित होते हैं। ऐसे में शरीर जल्दी ऊर्जा देने वाली चीजों की मांग करने लगता है। इसके अलावा जब दिमाग थका हुआ होता है तो खाने को लेकर खुद पर नियंत्रण रखना भी मुश्किल महसूस होता है।

अगर पहले की तुलना में अब छोटी बातों पर ज्यादा गुस्सा आने लगा है या मन जल्दी खराब हो जाता है, तो इसके पीछे नींद की कमी भी एक वजह हो सकती है। पर्याप्त नींद न मिलने पर दिमाग भावनाओं को संभालने में कमजोर पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति छोटी परेशानियों को भी ज्यादा बड़ा महसूस करता है।

मानसून में बढ़ रहे हैं फ्लू के मामले?

डॉक्टर ने बताए लक्षण और बचाव के उपाय

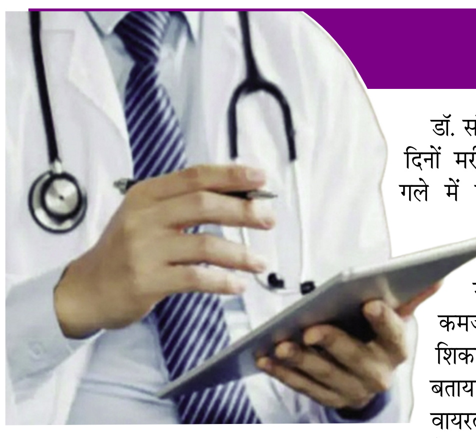

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मानसून का मौसम अपने साथ राहत तो लेकर आता है, लेकिन इसी मौसम में वायरल संक्रमण और फ्लू के मामले भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। इसको लेकर दिल्ली स्थित एम्स के मेडिसिन विभाग के डॉक्टर संजीव सिन्हा कहा कि इन दिनों अस्पताल की ओपीडी में खांसी, जुकाम, बुखार और शरीर दर्द जैसी शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

डॉ. संजीव सिन्हा के मुताबिक, इन दिनों मरीजों में सबसे आम लक्षण गले में खराश, नाक बहना, सूखी खांसी, तेज बुखार, सिरदर्द और पूरे शरीर में दर्द हैं। कई मरीज कमजोरी और थकान की भी शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये लक्षण सामान्य वायरल संक्रमण की तरह लग सकते हैं, लेकिन कई मामलों में यह इन्फ्लूएंजा वायरस का संक्रमण भी हो सकता है। इसलिए लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों में इस संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है। इनमें 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग, पांच साल से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाएं, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, किडनी की बीमारी, कैंसर या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज शामिल हैं। ऐसे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर होती है, इसलिए उनमें संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। डॉक्टर ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को तेज बुखार, लगातार खांसी, गले में दर्द और शरीर में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, खासकर यदि वह हाई रिस्क श्रेणी में आता है, तो उसे तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जांच और इलाज डॉक्टर की सलाह के अनुसार शुरू करना बेहद जरूरी है।

डॉ. सिन्हा ने बताया कि शुरुआत में डॉक्टर मरीज के लक्षणों के आधार पर क्लिनिकल डायग्नोसिस करते हैं। यदि इन्फ्लूएंजा का संदेह होता है तो गले या नाक से स्वैब लेकर आरटी-पीसीआर जांच की जाती है। इसी जांच से यह पता चलता है कि मरीज को वास्तव में इन्फ्लूएंजा है या नहीं और यदि है तो कौन-सा स्ट्रेन, जैसे एच1एन1 या एच3एन2, जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि अगर जांच में इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हो जाती है, तो मरीज को एंटीवायरल दवाएं दी जाती हैं। इसके साथ ही बुखार कम करने के लिए पैरासिटामोल, पर्याप्त आराम और खूब पानी पीने की सलाह दी जाती है। तेज बुखार की वजह से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, इसलिए मरीज को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है।

डॉ. सिन्हा ने कहा कि जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उन्हें कम से कम दो से तीन दिन तक घर में रहकर खुद को आइसोलेट करना चाहिए। इस दौरान मास्क पहनना जरूरी है ताकि संक्रमण परिवार के अन्य लोगों तक न पहुंचे। अगर किसी कारणवश बाहर जाना पड़े, तो भी मास्क का इस्तेमाल करें और भीड़भाड़ वाली जगहों से बचें। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल, टिश्यू या तौलिये से ढंकना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि इन्फ्लूएंजा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बहुत तेजी से फैलता है। जब संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है तो उसके मुंह और नाक से निकलने वाली छोटी-छोटी बूंदों के जरिए वायरस दूसरे व्यक्ति तक पहुंच जाता है। यदि सामने वाला व्यक्ति इन बूंदों के संपर्क में आता है या उन्हें सांस के साथ अंदर ले लेता है, तो संक्रमण फैल सकता है।

एम्स में मामलों की संख्या बढ़ने के सवाल पर डॉ. सिन्हा ने कहा कि मानसून के दौरान ऐसे मरीज हर साल बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि इस मौसम में कभी लगातार बारिश होती है तो कभी अचानक गर्मी बढ़ जाती है। तापमान और नमी में बार-बार होने वाला यह बदलाव वायरस के फैलने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है। इसलिए जुलाई-अगस्त के दौरान फ्लू और अन्य वायरल संक्रमण अधिक देखने को मिलते हैं।

छात्र देश का भविष्य, उनकी बात सुननी चाहिए: आशुतोष राणा

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेता आशुतोष राणा ने पटना एयरपोर्ट पर मीडिया के साथ बातचीत के दौरान नितेश तिवारी की आगामी फिल्म 'रामायण', छात्र प्रोटेस्ट और कंगना रनौत द्वारा जेन जी को गटर जनरेशन कहने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये छात्र ही आने वाले समय में देश का भविष्य होंगे। अगर वे अपने भविष्य की मांगें कर रहे हैं, तो उसे सुना जाए।

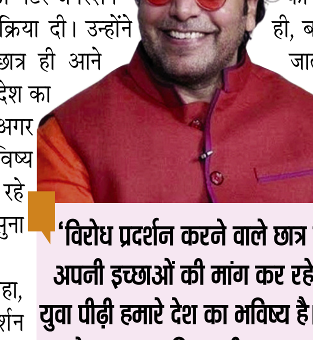

'विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्र बस अपनी इच्छाओं की मांग कर रहे हैं। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है। वह अपने उज्ज्वल भविष्य की मांग रख रही हैं: आशुतोष राणा

उन्होंने कहा, 'विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्र बस अपनी इच्छाओं की मांग कर रहे हैं। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है। वह अपने उज्ज्वल भविष्य की मांग रख रही हैं।'

आशुतोष राणा ने क्रांति और आंदोलन के बीच का फर्क समझाते हुए कहा, 'आंदोलन विषयगत होता है जो कुछ समय के लिए किया जाता है। इसमें पढ़े-लिखे लोगों को सजग किया जाता है, साथ ही, बदलाव के लिए विवश किया जाता है। मेरा मानना है कि युवा हमारे देश का भविष्य ही तो हैं। वे हमारे ही तो बच्चे हैं। आने वाले समय में उन्हीं के हाथों में राष्ट्र दिया जाएगा। जैसे एक बात कही जाती है, पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक मतभेद हैं। मुझे लगता है कि हर पीढ़ी की अपनी समझ होती है।'

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रुप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रुप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रुप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रुप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रुप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : भारतीय मुक्केबाजों और पैरा एथलीटों ने रचा इतिहास

ग्लास्गो में 9 घंटों के भीतर 8 बार गूंजा राष्ट्रगान

● ग्लासगो / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार का दिन भारतीय खेल इतिहास में एक गोल्डन चैप्टर के रूप में दर्ज हो गया। भारतीय बॉक्सर्स ने रिंग के भीतर ऐसा पराक्रम दिखाया कि महज 9 घंटे के भीतर 10 में से 7 मुकाबलों में भारत का राष्ट्रगान गूंजा, जबकि 3 मुकाबलों में भारतीय मुक्केबाजों ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

ऐसे में आइए जानते हैं कि वे 10 रेसलर्स कौन-कौन से हैं। रिंग में भारतीय मुक्केबाजों की शुरुआत से लेकर अंत तक पूरी तरह बादशाहत देखने को मिली। महिला मुक्केबाजों ने रिंग में अपने आक्रामक प्रदर्शन से विरोधियों को बैकफुट पर धकेल दिया। प्रीति पवार (54 केजी), जैस्मीन लंबोरिया (57केजी) और साक्षी चौधरी (51केजी) ने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज कर विरोधी बॉक्सरों को धाराशायी कर दिया। उनके बाद प्रिया घांघस (60केजी) और अरुंधति चौधरी (70केजी) ने भी शानदार मुक्केबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारत के गोल्डन रथ को आगे बढ़ाया। मेंस में सचिन सिवाच (60केजी) ने अंतिम राउंड में नामीबियाई मुक्केबाज को नॉकडाउन देते हुए 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की। वहीं दिन के आखिरी मुक्केबाजी फाइनल में अंकुश पंघाल (80केजी) ने इंग्लैंड के डिमेजी शिट्टू को 4-1 से परास्त कर भारत की झोली में मुक्केबाजी का 7वां गोल्ड मेडल डाल दिया।

सिल्वर मेडल विजेताओं का भी रहा दमदार प्रदर्शन

गोल्ड मेडल की चमक के बीच तीन भारतीय मुक्केबाजों ने अपने जुझारू खेल से देश का दिल जीता। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75केजी) को बेहद करीबी और कड़े फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री से 1-4 से शिकस्त झेलकर सिल्वर मेडल से सन्तोष करना पड़ा। इसके अलावा जादुमणि सिंह (55केजी) और सुपर हैवीवेट वर्ग (90केजी+) में नरेंद्र बेरवाल ने अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए रजत पदक हासिल किया।

पैरा खेलों में 7 पदकों के साथ तोड़े पिछले सारे रिकॉर्ड

भारतीय पैरा एथलीटों ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में नया इतिहास रच दिया है। इन खेलों में कुल सात पदक जीतने वाले हमारे दल ने अभी तक मिलाकर जीते गए सारे पैरा पदकों की संख्या की बराबरी कर ली। ग्लास्गो में भारतीय पैरा एथलीटों ने तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किए। 28 सदस्यों वाले भारतीय पैरा दल ने इन मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपना सफर खत्म किया। खेलों के आखिरी दिन, दो अगस्त रविवार को भारतीय पैरा खिलाड़ियों को किसी स्पर्धा में हिस्सा नहीं लेना है। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में ये भारत का अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। साल 2002 से राष्ट्रमंडल खेलों में पैरा स्पर्धाएं जोड़ी गई थीं। भारत ने तब से लेकर अब तक इन स्पर्धाओं में कुल सात पदक जीते थे। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं। ग्लास्गो से पहले भारतीय पैरा एथलीटों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 बर्मिंघम खेलों में आया था जहां भविना पटेल और सोनलबेन पटेल ने पैरा टेबल टेनिस में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते थे।

नीरज के हिस्से आया सिल्वर, यश वीर ने जीता ब्रॉन्ज

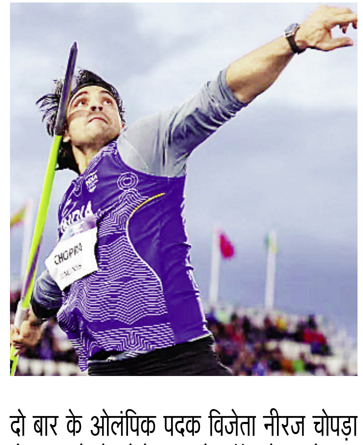

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा से ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में जिस प्रदर्शन की उम्मीद थी वो नहीं आया। पुरुषों के जेवलिन थ्रो मुकाबले में नीरज गोल्ड पर निशाना नहीं लगा पाए और उन्हें सिल्वर मेडल मिला। वहीं इसी इवेंट में हिस्सा लेने वाले एक और भारतीय यशवीर सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीत सभी को हैरान कर दिया। नीरज को श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे से हार मिली जो गोल्ड जीतने में सफल रहे। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने 89.75 मीटर का थ्रो कर सोने का तमगा अपने नाम किया तो वहीं नीरज ने 85.83 मीटर का थ्रो किया जो उनका इस सीजन का बेस्ट है। यशवीर ने फाइनल राउंड में 85.41 मीटर का थ्रो करते हुए सभी को हैरान किया और मेडल जीत गए।

इवेंट में दो मेडल: इस इवेंट में रोहित यादव एक और भारतीय थे, लेकिन वह सातवें स्थान पर रहे। ये पहली बार हुआ जब जेवलिन थ्रो के इवेंट में दो भारतीयों ने मेडल अपने नाम किया है। पेरिस ओलंपिक-2024 में नीरज से आगे निकल गोल्ड जीतने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम अंतिम-8 में जगह नहीं बना सके।

भारत के पदक विजेता एथलीट्स

न.	एथलीट	इवेंट	खेल	मेडल
1	ऋषिकांत सिंह	मेंस 60किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
2	झंडू कुमार	मेंस हेविवेट	पैरा पावरलिफ्टिंग	ब्रॉन्ज
3	मीराबाई चानू	वूमेंस 48किग्रा	वेटलिफ्टिंग	गोल्ड
4	मुथुपांडी राजा	मेंस 65किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
5	ज्ञानेश्वरी यादव	वूमेंस 53किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
6	बिंदियारानी देवी	वूमेंस 58किग्रा	वेटलिफ्टिंग	ब्रॉन्ज
7	शर्मिला वूमेंस	शॉट पुट F57	पैरा-एथलेटिक्स	गोल्ड
8	सर्वेश कुशारे	मेंस हाई जंप	एथलेटिक्स	सिल्वर
9	शिल्पा के. शायला	वूमेंस शॉट पुट	F57 पैरा-एथलेटिक्स	ब्रॉन्ज
10	वल्लुरी अजय बाबू	मेंस 79किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
11	हरजिंदर कौर	वूमेंस 69किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
12	गुलवीर सिंह	मेंस 10000मी	एथलेटिक्स	सिल्वर
13	मुरली श्रीशंकर	वूमेंस लॉन्ग	जंप एथलेटिक्स	सिल्वर
14	दिलीप गावित	मेंस 100 मीटर	T47 पैरा एथलेटिक्स	गोल्ड
15	मोहम्मद बासिल	मेंस 100 मीटर	T47 पैरा एथलेटिक्स	सिल्वर
16	लवप्रीत सिंह	मेंस +110 किग्रा	वेटलिफ्टिंग	सिल्वर
17	सीमा कालीरामना	वूमेंस डिस्कस	थ्रो एथलेटिक्स	ब्रॉन्ज
18	अस्मिता डे	वूमेंस -48 किग्रा	जूडो	गोल्ड
19	हर्ष सिंह	मेंस -60 किग्रा	जूडो	गोल्ड
20	यामिनी मौर्या	वूमेंस -57किग्रा	जूडो	सिल्वर
21	तेजस्विन शंकर	मेंस डेकॉथलॉन	एथलेटिक्स	ब्रॉन्ज
22	नीरज चोपड़ा	मेंस जैवलिन	थ्रो एथलेटिक्स	सिल्वर
23	यश वीर सिंह	मेंस जैवलिन	थ्रो एथलेटिक्स	ब्रॉन्ज
24	प्रीति पवार	वूमेंस 54 किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
25	प्रवीण चित्रवेल	मेंस ट्रिपल जंप	एथलेटिक्स	सिल्वर
26	सेल्वा प्रभु	मेंस ट्रिपल	जंप एथलेटिक्स	ब्रॉन्ज
27	जैस्मिन लैम्बोरिया	वूमेंस 57 किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
28	जादुमणि सिंह	मेंस 55 किग्रा	बॉक्सिग	सिल्वर
29	शुभम जुयाल	मेंस शॉट पुट	F57 पैरा एथलेटिक्स	सिल्वर
30	सोमन राणा	मेंस शॉट पुट	F57 पैरा एथलेटिक्स	गोल्ड
31	उन्नति शर्मा	वूमेंस -63किग्रा	जूडो	ब्रॉन्ज
32	साक्षी चौधरी	वूमेंस 51किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
33	प्रिया घंघास	वूमेंस 60किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
34	अरुंधति चौधरी	वूमेंस 70किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
35	लवलीना	बोरगोहेन	वूमेंस 75किग्रा बॉक्सिग	सिल्वर
36	सचिन सिवाच	मेंस 60किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
37	अंकुश पंघाल	मेंस 80किग्रा	बॉक्सिग	गोल्ड
38	नरेन्द्र बेरवाल	मेंस +90किग्रा	बॉक्सिग	सिल्वर

ग्लासगो में गूंजेगा भारत का संगीत

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आज होगा समापन

● मुंबई / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब भारत की संस्कृति की झलक भी दिखाई देगी।

प्रख्यात गायक और संगीतकार शंकर महादेवन दो अगस्त को ग्लास्गो के ओवीओ हाइड्रो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 के समापन समारोह में भारत के हैंडओवर सेगमेंट में प्रस्तुति देंगे। समापन समारोह के दौरान भारत आधिकारिक तौर पर 2030 के शताब्दी संस्करणकी मेजबानी की जिम्मेदारी संभालेगा।

20 मिनट का होगा इंडिया हैंडओवर सेगमेंट

राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में 20 मिनट का इंडिया हैंडओवर सेगमेंट होगा। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में शंकर महादेवन के अलावा अभिनेत्री एवं पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर, प्लेबैक सिंगर भूमि त्रिवेदी, संगीतकार सिद्धार्थ महादेवन और शिवम महादेवन और सितार वादक ऋषभ ऋखीराम शर्मा भी शामिल होंगे।

अगले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भारत करेगा

यह प्रस्तुति वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने वाले गुजरात को समर्पित होगी। शंकर महादेवन अपने दोनों बेटों सिद्धार्थ और शिवम महादेवन के साथ मंच पर प्रस्तुति देंगे, जबकि उनके साथ गुजराती प्लेबैक सिंगर भूमि त्रिवेदी भी अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगी।

जेमिमा ने पाक की कप्तान फातिमा को लगाया गले

मैदान पर तनातनी के बीच प्यार की झप्पी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

विमेंस हंड्रेड 2026 में सदर्न ब्रेव ने बर्मिंघम फीनिक्स को 12 रन से हराया। इसके बाद भारतीय प्लेयर जेमिमा रोड्रिग्स और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने एक-दूसरे को गले लगाया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मैच के बाद भारत और पाकिस्तान की खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को गले लगाया। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच मैदान पर हाल ही में तनातनी का माहौल देखने को मिला है। पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक हालात को देखते हुए हाल के महीनों में दोनों टीमों के बीच होने वाली मुलाकातों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। इसी माहौल में मैच के बाद रोड्रिग्स और सना के बीच हुई बातचीत चर्चा का विषय बन गई।

फातिमा का खास नहीं रहा प्रदर्शन

फातिमा के लिए विमेंस हंड्रेड में उनका पहला मैच मुश्किल भरा रहा। पाकिस्तान की कप्तान ने अपने 15 गेंदों के स्पेल में 33 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। बाद में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से लक्ष्य का पीछा करते हुए वह 5 रन पर नाबाद रहीं, लेकिन उनकी टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई। द हंड्रेड के 2026 सीजन के लिए सदर्न ब्रेव से जुड़ने के बाद से रोड्रिग्स की शुरुआत अच्छी रही है। लंदन के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन कर अपनी टीम को 1 रन से जीत दिलाई थी। जेमिमा प्लेयर ऑफ द मैच रही थीं।

रजत पाटीदार बने सेंट्रल जोन के कप्तान

रिंकू सिंह को मिली उप-कप्तानी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी की शुरुआत होने जा रही है। इस टूर्नामेंट के लिए सेंट्रल जोन की टीम का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अपनी कप्तानी में लगातार दो आईपीएल खिताब दिलाने वाले रजत पाटीदार को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दलीप ट्रॉफी के सभी मुकाबले 23 अगस्त से 10 सितंबर के बीच बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

सेंट्रल जोन की टीम: रजत पाटीदार (कप्तान), रिंकू सिंह (उप-कप्तान), आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), सारांश जैन, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, जीशान अंसारी, आर्यन पांडे, अरशद खान, आयुष पांडे, यश राठौड़, हर्ष दुबे, कुणाल सिंह राठौड़ (विकेटकीपर), यश ठाकुर और नचिकेता भूते ,**स्टैंड-बाय खिलाड़ी:** अमनदीप खरे, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, भार्गव मेराई, कुणाल यादव और कुमार कार्तिके।

सारांश जैन शुरुआती मैच से रह सकते हैं बाहर

ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर सारांश जैन को टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वे शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। दरअसल, वे श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हैं। वाशिंगटन सुंदर के पहले टेस्ट से बाहर होने के कारण 15 अगस्त से गॉल में शुरू हो रहे पहले टेस्ट में सारांश को डेब्यू करने का मौका मिल सकता है। सेंट्रल जोन की बल्लेबाजी में पाटीदार और रिंकू के अलावा आर्यन जुयाल, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, यश राठौड़ और आयुष पांडे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

मप्र की नौशीन नाज बनीं टॉप स्कोरर

भारत को विश्व कप का टिकट दिलाने में बड़ी भूमिका

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी की बेटी नौशीन नाज़ ने यूथ हॉकी फाइव्स एशियन चैंपियनशिप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे एशिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मस्कट (ओमान) में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय महिला टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में नौशीन नाज़ ने 17 गोल

दागकर बेस्ट स्कोरर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस शानदार प्रदर्शन के साथ एफआईएच के उद्घाटन यूथ हॉकी फाइव्स वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

पूरे टूर्नामेंट में किए थे 17 गोल

पूरे टूर्नामेंट में मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी अकादमी की फॉरवर्ड नौशीन नाज़ भारतीय आक्रमण की सबसे मजबूत कड़ी रहीं। उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कुल 17 गोल दागे और सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। उनकी गति और सटीक फिनिशिंग ने भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाई।

3 दिन का अभ्यास मैच खेलेगा भारत

● कोलंबो / (एजेंसी)

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अगले हफ्ते श्रीलंका के लिए रवाना होगी। इस अहम सीरीज से पहले भारतीय टीम श्रीलंका में अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए एक अभ्यास मैच खेलेगी। हालांकि, इस अभ्यास मैच के दिनों में एक बड़ा बदलाव किया गया है।28 जुलाई को टीम का ऐलान करते समय बीसीसीआई ने बताया था कि भारतीय टीम कोलंबो में चार दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका इलेवन के खिलाफ होने वाला यह मैच अब घटाकर तीन दिन (7 से 9 अगस्त) का कर दिया गया है। यह मुकाबला कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा और इसका सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन के फाइनल में बनाई जगह

● नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 17 साल की तन्वी ने चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को सीधे गेम में मात दी। पंजाब की रहने वाली तन्वी ने यह मुकाबला 21-17, 21-11 से अपने नाम किया। यह एकतरफा सेमीफाइनल मैच महज 33 मिनट तक चला। तन्वी पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 में रनर-अप रही थीं। जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा रविवार को होने वाले फाइनल में खिताबी जीत के लिए उतरेंगी। फाइनल में उनका मुकाबला हमवतन उन्नति हुड्डा या वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी गुयेन थुय लिन्ह में से किसी एक से होगा।

पहले और दूसरे गेम में हावी रहीं

तन्वी ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले गेम में हुआंग यू-हसुन ने कुछ समय तक मुकाबला किया, लेकिन तन्वी ने 21-17 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने विपक्षी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से जीत दर्ज की और सीधे गेम में फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन
270 = 9 135 = 9
शुभांक
दिन
256 = 3 129 = 2
भाग्यांक
1 6 8 9
www.kalyangame.com

द शिशुकुंज स्कूल की एकतरफा जीत

सीबीएसई क्लस्टर-12 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता

● भोपाल / (एजेंसी)

एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल में सीबीएसई क्लस्टर-12 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2026 के तीसरे दिन अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्गों के मुकाबले खेले गए। अंडर-19 वर्ग में न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंट थेरेसा स्कूल को 23-20 के करीबी मुकाबले में पराजित किया। वहीं अंडर-17 वर्ग में द शिशुकुंज स्कूल ने एकतरफा मुकाबले में बेलवेदर स्कूल को 22-03 से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

इसके अलावा अंडर-14 वर्ग में सेंट थेरेसा स्कूल ने ज्ञानस्थली स्कूल को 17-02 से पराजित कर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

सम्मान कॉमनवेल्थ गेम्स में मप्र के खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान, मंत्री सारंग ने वीडियो कॉल पर यामिनी को दी बधाई

यामिनी और अजय बाबू को मिलेंगे 25-25 लाख और सरकारी नौकरी

● भोपाल / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बीच मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जूडो में यामिनी और वेटलिफ्टिंग में अजय बाबू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया।

दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री सारंग ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश के दो

खिलाड़ियों का कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि यामिनी ने जूडो में शानदार संघर्ष और तकनीकी कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक हासिल किया,

वहीं अजय बाबू ने वेटलिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। मंत्री सारंग ने कहा कि यह सफलता प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी ।

खेल नीति के तहत मिलेगा सम्मान और प्रोत्साहन

मंत्री विश्वास सारंग ने घोषणा की है कि मध्य प्रदेश सरकार की खेल नीति के अनुसार कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाले यामिनी और अजय बाबू को 25-25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही खेल नीति के प्रावधानों के अनुरूप दोनों खिलाड़ियों को सरकारी विभाग में नौकरी भी उपलब्ध कराई जाएगी। सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना, आधुनिक प्रशिक्षण, बेहतर सुविधाएं और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रही है।

करण जौहर फिर बने 'ट्रेटर्स 2' के होस्ट

फिल्ममेकर करण जौहर 'ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन के लिए होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। सोमवार को मेकर्स ने शो का प्रोमो जारी किया। इस प्रोमो में करण जौहर का स्टाइलिश अंदाज फैंस को नजर आया। पिछले सीजन में इस शो को उन्होंने शानदार तरीके से होस्ट किया था।

'ट्रेटर्स' इंटरनेशनल लेवल पर मशहूर रोमांचक रियलिटी फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है। इसका दूसरा सीजन दर्शकों को इस बार भारत में हैरान करेगा। यह शो 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर आएगा। शो में कई बॉलीवुड सेलेब्स, इंफ्लुएंसर्स के शामिल होने की बात सामने आई है।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए प्राइम वीडियो ओरिजनल, इंडिया के निदेशक और प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, 'शो ट्रेटर्स के पहले सीजन को मिली प्रतिक्रिया ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया। यह प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे खास रियलिटी फ्रेंचाइजी में से एक बन गया है, जिसने समझदारी भरे गेमप्ले, मनोवैज्ञानिक रणनीति और दिलचस्प मनोरंजन के अनूठे मिश्रण के साथ इस शैली को बदल दिया है। देश भर के दर्शक इसके भावनात्मक रूप से भरे माइंड गेम्स और बिना किसी फिल्टर वाले ड्रामे से जुड़ गए थे। दूसरे सीजन के साथ, दांव ऊंचे हैं, गेमप्ले और तेज हैं, ड्रामा और भी जबरदस्त है। खिलाड़ियों की नई लाइन-अप दर्शकों को हर मोड़ पर रोमांच से भर देगी। हम करण जौहर की होस्ट और मास्टर ऑर्केस्ट्रेटर के रूप में वापसी से बहुत उत्साहित हैं।'

करण कुंद्रा पर पुराने आरोपों को लेकर सान्वी तलवार ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई अभिनेत्री सान्वी तलवार ने अपने करियर के एक दौर में निजी विवाद को लेकर सुर्खियां बटोरी थीं। अब काफी समय बाद अभिनेत्री ने उस दौर को याद करते हुए अपनी सोच और उससे मिली सीख के बारे में बात की। सान्वी ने कहा कि किसी भी संवेदनशील मामले पर बोलने के लिए व्यक्ति का खुद मानसिक रूप से तैयार होना जरूरी है।

उन्होंने महिलाओं को भी संदेश दिया कि अगर उनके साथ कुछ गलत हुआ है और वे उस समय अपनी बात नहीं रख पाईं, तो बाद में भी अपनी आवाज उठा सकती हैं। दरअसल, सान्वी ने टीवी शो ये कहां आ गए हम में अभिनेता करण कुंद्रा के साथ काम किया था। इसी शो के दौरान उन्होंने करण कुंद्रा पर कथित तौर पर गलत व्यवहार करने के आरोप लगाए थे। उनका आरोप था कि काम के दौरान करण कुंद्रा ने कथित तौर पर उनकी सहमति के बिना उन्हें किस किया और थप्पड़ भी मारा। इस मामले में शो की निर्माता एकता कपूर ने हस्तक्षेप किया था और इसके बाद शो की निर्देशन टीम में बदलाव किए गए थे। अब इस मामले पर बात करते हुए सान्वी ने कहा कि उन्होंने जिंदगी से यह सीखा है कि अपनी बात उसी समय रखनी चाहिए, जब इंसान खुद को इसके लिए पूरी तरह तैयार महसूस करे। अभिनेत्री ने कहा, पहले मैं अपनी बात सिर्फ उन्हीं लोगों से साझा करती थी, जिनके साथ बात करना मुझे जरूरी लगता था। जब कोई निजी बात कई लोगों तक पहुंचती है तो कई बार उसका मतलब बदल जाता है और कहानी अलग रूप ले लेती है। अब मैं अपनी बात खुलकर रखने में सहज महसूस करती हूं, क्योंकि यह मेरा खुद का फैसला है और मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। सान्वी ने कहा, अगर किसी व्यक्ति को लगता है कि कोई बात सही है और उसे सामने रखना जरूरी है, तो उसे अपनी आवाज उठानी चाहिए। हर किसी का अपनी भावनाओं और अनुभवों को साझा करने का तरीका अलग होता है। किसी पर भी यह दबाव नहीं होना चाहिए कि उसे किसी घटना के तुरंत बाद ही बोलना पड़े। सही समय वही होता है, जब व्यक्ति खुद को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करे।

जब सान्वी से पूछा कि उन्होंने इस मुद्दे पर इतने समय बाद बात क्यों की और उन महिलाओं के लिए उनका क्या संदेश है, जो अपने साथ हुए किसी गलत अनुभव के बारे में बोलने से डरती हैं, तो सान्वी ने कहा कि हर महिला को अपनी सुविधा और तैयारी के अनुसार फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर किसी महिला के साथ कुछ गलत हुआ है और वह उस समय अपनी बात नहीं रख पाई, तो इसका मतलब यह नहीं है कि अब बहुत देर हो चुकी है। जब भी वह खुद को तैयार महसूस करे, उसे आगे आकर अपनी कहानी बतानी चाहिए। अगर लोग अपने अनुभवों के बारे में बात नहीं करेंगे, तो सच्चाई कभी सामने नहीं आ पाएगी। अभिनेत्री ने महिलाओं को हिम्मत देते हुए कहा, अपनी बात रखना बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए सही समय और सही मानसिक स्थिति का होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति को अपनी आवाज की अहमियत समझनी चाहिए और अपने अनुभवों को दबाकर नहीं रखना चाहिए।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

समृद्धि शुक्ला ने रिश्तों में बराबरी पर रखी बात

मुंबई टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री समृद्धि शुक्ला इन दिनों अपने शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अभिरा के किरदार को लेकर दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ वह अपनी सोच और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। इस बीच उन्होंने घर-परिवार, शादी और रिश्तों में जिम्मेदारियों के बंटवारे को लेकर अपनी राय साझा की है।

समृद्धि ने कहा कि आज के समय में भी कई महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियां अकेले संभालें, जबकि परिवार चलाने की जिम्मेदारी पति-पत्नी दोनों की बराबर होनी चाहिए।

समृद्धि शुक्ला ने महिलाओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, आज भी कई महिलाएं ऐसी हैं, जिनसे हर काम को संभालने की उम्मीद की जाती है। उनसे कहा जाता है कि वे बच्चों की देखभाल करें, अगर चाहें तो नौकरी करें और फिर घर लौटकर पूरे परिवार की जिम्मेदारी भी निभाएं। कई बार महिलाएं खुद खाना नहीं बनातीं, फिर भी उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे घर की हर व्यवस्था पर नजर रखें, कुक से बात करें, घर के कामों को मैनेज करें और सुनिश्चित करें कि सब कुछ सही तरीके से चलता रहे।

उन्होंने कहा, इस तरह की सोच को बदलने की जरूरत है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वे मिलकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करते हैं। दोनों एक ही घर में रहते हैं, घर की सुविधाओं का इस्तेमाल करते हैं और बच्चों की परवरिश में भी दोनों की बराबर भागीदारी होती है। ऐसे में यह सही नहीं है कि किसी एक व्यक्ति से ज्यादा जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद की जाए। समृद्धि ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी महिला ने बच्चे को जन्म दिया है और वह कुछ समय के लिए काम पर नहीं जा सकती, तो उस दौरान पति को आगे बढ़कर जिम्मेदारियां संभालनी चाहिए। वहीं, जब महिला दोबारा अपने करियर या सपनों की ओर लौटना चाहे, तो पति घर की जिम्मेदारियों में सहयोग कर सकता है।

रिश्ते में सबसे जरूरी चीज एक-दूसरे के सपनों को समझना और उनका सम्मान करना है।

अभिनेत्री ने कहा, परिवार का मतलब एक-दूसरे का साथ देना होता है, न कि पुराने नियमों के अनुसार महिला और पुरुष की भूमिकाएं तय कर देना।

किसी एक व्यक्ति से हमेशा त्याग करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। एक अच्छे रिश्ते में दोनों लोग एक-दूसरे के लिए जगह बनाते हैं और मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं।

भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बदली उनकी सोच लग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।'' अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे रहता है।'' सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है। हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। उस सीन के लिए उन्होंने चूड़ियां पहनी थीं, लेकिन शूट पूरा होने के बाद हाथों में सूजन आने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया था। अपने इस अनुभव को याद करते हुए सीरत ने कहा, 'मुझे याद है जब हम फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग कर रहे थे। मैंने उस सीन के लिए चूड़ियां पहनी थीं और शूट पूरा होने के बाद सूजे हुए हाथों की वजह से हम उन्हें निकाल नहीं पाए। टीम की मदद से जैसे-तैसे चूड़ियां निकाली गईं।'

ऋषभ शेट्टी की फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी भूमि पेडनेकर

साल 2022 में 'कांतारा' और 2025 में 'कांतारा चैप्टर 1' से तहलका मचाने वाले दक्षिण भारतीय अभिनेमा ऋषभ शेट्टी अपनी अगली फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' के नाम से रिलीज होने वाली इस फिल्म में ऋषभ, शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म से जुड़ एक नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में भूमि पेडनेकर वॉरियर क्वीन बेलवाडी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। मल्लम्मा एक निडर योद्धा रानी थीं, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट जज्बे के लिए याद किया जाता है। बेलवाड़ी मल्लम्मा ने देश की पहली महिला सैनिक टुकड़ी का गठन किया था। ऐसा करने वाली वह पहली रानी थीं। कहा जाता है कि वो अपने

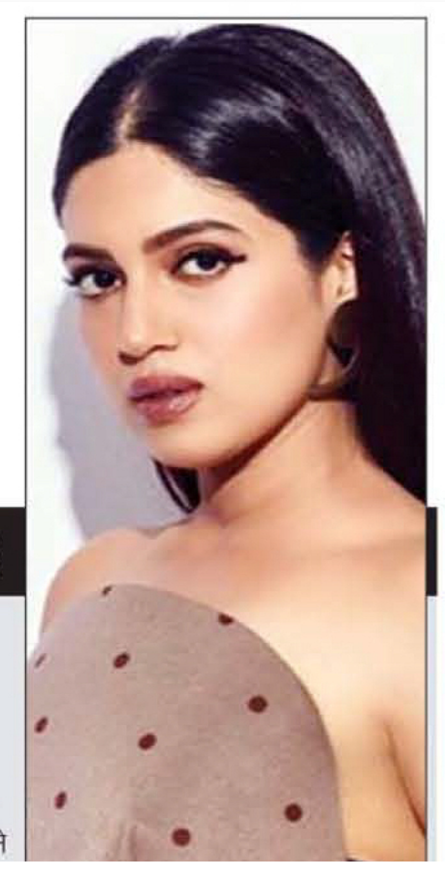

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630